आषाढ़ कृष्ण पक्ष- प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 355 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
30 जून 2026 मंगलवार

आज का मौसम
35.2 अधिकतम
24.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सच की तलाश... अनिल मिश्रा पर ज्यादा भरोसा, चढ़ावा गिनती की निगरानी टिन्नू यादव को सौंपी

चढ़ावे की चोरी से बड़ा सवाल... कैसे लपेटे में आ गए चंपत राय ?

दोपहर मेट्रो पड़ताल
● राजेश सिरोठिया
अयोध्या कांड: पार्ट- 1

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में चलती सियासी चखचख के बीच कई सवाल खोकर रह गए हैं। कई सच छुप गए हैं। ट्रस्ट और सरकार के बीच तनातनी की खबरें भी अंदरखाने से निकल कर सामने आ रही हैं। चोरी से बड़ा सवाल तो यह है कि इस चढ़ावे की रकम की घोटाले की पोल खोलने वाले चंपतराय आखिर घेरे में क्यों आ गए ? अनिल मिश्रा कैसे खुद को बचाने में कामयाब हो गए हैं? यक्ष प्रश्न तो यह भी है कि इस पूरे मसले को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के पास किसने पहुंचाया?

साध्वी ऋतंभरा, जिन्होंने अयोध्या आंदोलन से लेकर रामलला के ट्रस्ट के बनने तक के सफर में चंपत राय के योगदान को देखा है, उन्हें उनकी निष्ठा को लेकर कोई संदेह नहीं हैं। वे खुलकर इसका इजहार भी कर रही हैं। नृपेंद्र मिश्रा को भी उनकी ईमानदारी पर कोई शक नहीं हैं। ऐसे में सवाल यही है कि चंपत राय घिरे कैसे? उनकी पहली गलती यह रही कि आटो चालक से उनके ड्रायवर बने टिन्नू यादव उर्फ रामदास यादव पर उन्होंने जरूरत से ज्यादा भरोसा किया। यह भूल इतनी बड़ी तब हो गई जब उन्होंने मंदिर की बेहद संवेदनशील दानराशि या चढ़ावे के काम की गिनती की निगरानी का काम भी उन्हें सौंप दिया। फिर टिन्नू यादव ने चालाकी से अपने भतीजे मनीष यादव को चढ़ावे की गिनती में शामिल

कर लिया। चंपत राय ने इसकी अनदेखी की। दूसरी गलती, रामजन्मभूमि तीर्थ के महासचिव होने के नाते दूसरे ट्रस्टियों से ज्यादा भरोसा अनिल मिश्रा पर किया। यादव की देखादेखी अनिल मिश्रा ने भी चढ़ावे की रकम की गिनती के काम में अपने रिश्तेदारों को लगा दिया।

जो खबरें छनकर सामने आ रही हैं उनके मुताबिक चंपत राय इस मुगालते में रहे कि चढ़ावे की गिनती करने वाले सारे लोग भरोसे के हैं। फिर मंदिर परिसर में 800 सीसी टीवी कैमरे लगे हैं। ऐसे में रामलला के चढ़ावे पर भला कौन परिंदा पर मार सकता है। यह कैमरे उस कक्ष में भी थे जहां चढ़ावे की गिनती होती थी। लेकिन चढ़ावे की गिनती से जुड़े जो आठ लोग गिरफ्तार हुए हैं वे घर का भेदी लंका ढाए की तर्ज पर कैमरों की नजर से बचकर यह सब कर रहे थे। सूत्रों की मानें तो दो महीने पहले जब चंपत राय को चढ़ावा चोरी की भनक लगी तो उन्होंने गिनती वाले कक्ष में गोपनीय तौर पर कुछ और कैमरे लगवा दिए। इसकी भनक उन्होंने किसी को नहीं लगने दी। इन कैमरों के चालीस दिनों के फुटेज जब उन्होनें खंगाले तो उन्हें चोरी की का पता चल गया।

बदनामी से बचाने की मंशा !

अंदरखाने की माने तो चंपत राय इसकी सीधी रिपोर्ट पुलिस से करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। उन्हें लगा कि एफआईआर दर्ज होगी तो मंदिर की बदनामी होगी। इसलिए सीधे रपट दर्ज कराने के बजाए उन्होंने स्थानीय पुलिस से सभी आठ लोगों से पूछताछ और पड़ताल गोपनीय तौर पर करने को कहा। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने सभी आठों आरोपियों के घर दबिश देना और पूछताछ करना शुरू किया तो उनके पड़ोसियों के मन में सवाल उठने लगे कि आखिर पुलिस क्यों बार -बार इनके घरों पर आ रही है। सूत्रों की मानें तो पुलिस के शिकंजे से बचने के के लिए टिन्नू यादव ने ही अपने करीबी रिश्तेदारों के जरिए समाजवादी नेता अखिलेश यादव तक खबर पहुंचवा दी । बस फिर क्या था अखिलेश यादव ने चंदा चोरी का बम फोड़ते हुए भाजपा को घेरना शुरू कर दिया। जाहिर है कि आरोपियों के घर पुलिस की पूछताछ से ही खबर अखिलेश तक पहुंची। चंपत राय की गलती इतनी भर है कि उन्हें सीधे एफआईआर भी दर्ज करवाना थी जो नहीं करवाई। लेकिन, चढ़ावा चोरी के आरोप लगने के बाद वे उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच दल गठित करवाने के लिए विवश हो गए। खबरें यह भी तैर रही हैं कि कडक़ मिजाज के चंपत राय और योगी आदित्यनाथ के बीच की केमिस्ट्री ठीक नहीं थी। जिसके चलते ही रायता इतना ज्यादा फैल गया। सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि जब चंपत राय स्वयं उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर एसआईटी जांच की मांग कर चुके थे, तब मुख्यमंत्री योगी ने अपने हालिया अयोध्या दौरे के दौरान उन्हें सार्वजनिक रूप से अलग-थलग क्यों रखा ? यदि सरकार को उनकी नीयत पर भरोसा था, तो यह दूरी क्यों रखी ? और यदि भरोसा नहीं था, तो फिर एसआईटी की मांग करने वाले व्यक्ति के प्रति सरकार का आधिकारिक रुख क्या था?

योगी की राजूदास से नजदीकी...

चंपत राय को जो लोग निकट से जानते हैं, उन्हें पता है कि वह काफी सख्त मिजाज के इंसान हैं। रामलला ट्रस्ट के महासचिव के नाते वो किसी भी अनैतिक दवाब को पसंद नहीं करते थे। योगी की एक कमजोरी सारे संत महंतों को दरकिनार कर हुनुमानगढ़ी की उज्जैनिया पट्टी के पुजारी राजूदास को तवज्जो देने की रही है। वह जब भी अयोध्या जाते रहे ,राजू दास उनके साथ साये की तरह साथ रहते थे। योगी का अयोध्या में रूकने - खाने का भी यही एक ही ठिकाना था। इसके चलते अयोध्या के दूसरे संत - महंतों में नाराजगी थी। हालांकि उज्जैनिया पट्टी के महंत रामदास जी के तीन दिन पहले निधन के बाद राजूदास का महंत बनना तय है। (जारी)

रामलला के दर्शन से पहले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हाउस अरेस्ट

लखनऊ. एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई है । कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने सोमवार देर रात 12 बजे अयोध्या के एक होटल में नजरबंद कर दिया। अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस का डेलिगेशन चढ़ावा चोरी का विरोध करने पहुंचा था। उन्होंने आज मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय का घेराव करने का ऐलान किया था।

इस बीच, अजय राय की पत्नी रीना राय ने वाराणसी से एक वीडियो जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मेरे पति की आवाज दबाने के लिए भाजपा सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार है। पुलिस जीप में ले जाने के बाद अब हमारे सहयोगियों को गलत जानकारियां देकर भटकाया जा रहा है। चढ़ावा चोरों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। अगर मेरे पति को कुछ भी होता है, तो पूरी जिम्मेदारी इस अधर्मी भाजपा सरकार की होगी।

अर्जुन देव का तबादला

इस बीच राम मंदिर में 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारीअर्जुन देव का तबादला कर दिया गया। उन्हें गोरखपुर भेजा गया है। एसआईटी ने अर्जुन देव की भूमिका को भी जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम में लगे कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी अर्जुन देव के पास थी।

न्यूज विंडो

रिफाइनरी की पाइपलाइन में लगी आग, 15 कर्मी झुलसे

कोलकाता। बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के हल्दिया रिफाइनरी की नैप्था सप्लाई पाइपलाइन में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस हादसे में अब तक करीब 15 लोगों के झुलसने की खबर है, जबकि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 12 गाड़ियों को मौके पर लगाया गया है। आज सुबह करीब चार बजे पाइपलाइन में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट के बाद आग तेजी से फैलते हुए चिरंजीबपुर इलाके तक पहुंच गई। आग की लपटों से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग घर छोड़कर बाहर निकल आए।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में घुसी बस, चार की मौत

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार देर रात एक प्राइवेट बस राया क्षेत्र के पास गिट्टी से भरे एक ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। भीषण हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि बस में सवार करीब 25 यात्री घायल हो गए। बिहार नंबर की प्राइवेट बस लखनऊ से सवारियां लेकर दिल्ली की ओर जा रही थी। राजस्थान नंबर का गिट्टी से भरा ट्रेलर एक्सप्रेसवे की तीसरी लेन पर चल रहा था। तेज रफ्तार बस उसमें पीछे से जा घुसी।

इंडिगो फ्लाइट में बेहोश हुआ मासूम, हुई इमरजेंसी लैंडिंग

सूरत। अहमदाबाद से मुंबई जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब 3 साल का बच्चा बेहोश हो गया। बच्चे की बिगड़ती हालत को देखते हुए पायलट ने तुरंत मेडिकल इमरजेंसी घोषित की और विमान को सूरत एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा। बच्चे को तुरंत सूरत के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मासूम बच्चे की पहचान सौरभ के रूप में हुई है। सोमवार की शाम जब विमान हवा में था, तब सौरभ की तबीयत अचानक बेहद खराब हो गई और वह बेहोश हो गया।

आज का कार्टून

आगे बढ़ रहा मानसून

भोपाल और इंदौर समेत 50 जिलों में बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मानसून अब तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है। मौसम विभाग ने आज को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की संभावना जताई है। जिन 15 जिलों में मानसून पहुंच चुका है, उनमें से बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में चार इंच तक वर्षा होने की संभावना है।

मौसम केंद्र के अनुसार भोपाल, इंदौर, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, धार, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, देवास, शाजापुर, नर्मदापुरम, हरदा, जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, सागर, दमोह, छतरपुर सहित प्रदेश के 50 जिलों में बारिश का दौर बना रहेगा। कई स्थानों पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

वहीं ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 2 जुलाई से नया मौसम तंत्र सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से प्रदेश के कई हिस्सों में अति भारी से भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

सुरक्षा के लिए सेशेल्स में नियुक्त होंगे भारत के सैन्य सलाहकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा सोमवार को समाप्त हो गई। इस दौरान भारत और सेशेल्स के बीच सुरक्षा, क्षमता निर्माण और रणनीतिक सहयोग को नई ऊंचाई मिली है। सबसे महत्वपूर्ण फैसले में भारत एक बार फिर सेशेल्स में सैन्य सलाहकारों की नियुक्त करेगा। इस बार भारत की तरफ से चार सैन्य सलाहकार नियुक्त किए जाएंगे। यह व्यवस्था सेशेल्स की पिछली सरकार के कार्यकाल में बंद कर दी गई थी, जिसे अब बहाल किया जा रहा है। यह कदम दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और संस्थागत संबंधों को मजबूत करेगा। भारत पहले भी सेशेल्स की रक्षा से जुड़ा रहा है।

केंद सरकार ने राज्यों से मांगी जानकारी

एमबीबीएस-एमडी की बढ़ेंगी सीटें

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में डॉक्टरों की बढ़ती जरूरत को देखते हुए केंद्र सरकार मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एमबीबीएस और एमडी सीटों में वृद्धि के लिए जल्द प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य मेडिकल शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के साथ ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना है। वर्तमान में देश के 780 मेडिकल कॉलेजों में करीब 1.18 लाख एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं, जबकि हर वर्ष लाखों छात्र मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होते हैं। देश में लगभग 7.5 लाख पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टर सक्रिय रूप से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन बढ़ती आबादी के अनुपात में डॉक्टरों की संख्या अभी भी पर्याप्त नहीं मानी जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में विभिन्न राज्यों ने स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी केंद्र के समक्ष रखे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) का बजट आबादी के अनुपात में बढ़ाने, स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या में वृद्धि तथा नर्सिंग शिक्षा के विस्तार की मांग की। वहीं कई राज्यों ने नए एम्स, सरकारी मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और रिसर्च सेंटर स्थापित करने का आग्रह किया है।

जनरल धीरज सेठ आज से संभालेंगे आर्मी चीफ की कमान

नई दिल्ली। कश्मीर में जिस अफसर का नाम सुनकर आतंकी कांप उठते थे, वही लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ सेना प्रमुख का पदभार संभालने जा रहे हैं। वे देश के 31वें सेना प्रमुख होंगे, जो जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लेंगे। उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2028 तक रहेगा। लगभग चार दशक के सैन्य अनुभव के साथ वह ऐसे अधिकारी माने जाते हैं, जिन्होंने देश के कई अहम मोर्चों पर जिम्मेदारी संभाली है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ दिसंबर 1986 में आर्म्ड कॉर्प्स में कमीशन हुए थे। उन्होंने रेगिस्तानी इलाके में बख्तरबंद रेजिमेंट, विकसित क्षेत्र में आर्मर्ड ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी बल की कमान संभाली।

सारंगपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन, मुख्यमंत्री यादव हो रहे शामिल

भोपाल/राजगढ़, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में 19 मार्च से शुरू हुआ 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 आज जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह के साथ संपन्न हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भैसवामाता, विकासखंड सारंगपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समापन समारोह में शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसे जनभागीदारी का महाअभियान बताया है। प्रदेशभर में अभियान के दौरान तालाब, बावड़ी, कुएं, अमृत सरोवर, चेकडैम, वर्षा जल संचयन, नदी पुनर्जीवन, भू-जल संवर्धन तथा जल गुणवत्ता सुधार सहित करीब 3.62 लाख कार्य किए गए हैं जिन पर लगभग 10,514 करोड़ रुपए की लागत आई है।

जिला स्तरीय समारोहों में मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ा जा रहा है और जल संरक्षण की सामूहिक शपथ दिलाई जा रही है। अभियान की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी और लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण का आह्वान किया जा रहा है। समारोह में उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों, जलदूतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों आदि को सम्मानित जा रहा है।

भरत भूषण : एससी ने सीबीआई जांच से किया इनकार

नई दिल्ली। भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है।अदालत ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट का रुख करने की स्वतंत्रता देते हुए कहा कि वह संबंधित हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है। बिहार के भोजपुर में पुलिस मुठभेड़ में भारत भूषण तिवारी की मौत हो गई थी।

मेट्रो एंकर नासिक के एथलीट सर्वेश कुशारे ने 2.31 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक जीता

गांव की मिट्टी, भूसे पर प्रैक्टिस और अब हाई जम्प का राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नासिक/भुवनेश्वर, एजेंसी

महाराष्ट्र के नासिक जिले में जन्मे एथलीट सर्वेश कुशारे ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में आयोजित 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय पुरुषों के हाई जंप का नया इतिहास लिख दिया। उन्होंने 2.31 मीटर की ऊंचाई पार कर स्वर्ण पदक जीता और इसके साथ ही उन्होंने 2026 एशियाई खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित कर ली है। इससे पहले यह नेशनल रिकॉर्ड तेजस्विन शंकर के नाम था, जिन्होंने अप्रैल 2018 में 2.29 मीटर की कूद लगाई थी।

सर्वेश की यह सफलता बेहद संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक रही है। एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले सर्वेश के पास बचपन में बड़े शहरों जैसी सुविधाएं नहीं थीं। गांव में अभ्यास के लिए आधुनिक हाई जंप पिट तक उपलब्ध नहीं था। शुरुआती दिनों में उन्होंने साधारण संसाधनों से बने अभ्यास स्थल पर ट्रेनिंग शुरू की। एक रिपोर्ट के अनुसार वे गांव में बनाए गए अस्थायी पिट (मक्के के भूसे जैसी सामग्री से बने) पर भी अभ्यास करते थे। शुरुआती अभावों से निकलकर, सर्वेश ने अपनी प्रतिभा को निखारा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें बचपन में स्कूल कोच आर.डब्ल्यू. जाधव ने एथलेटिक्स की दुनिया से रूबरू कराया था। 2019 में सर्वेश ने पहली बार इंडियन ओपन हाई जंप खिताब जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद साउथ एशियन गेम्स में उन्होंने 2.21 मीटर की कूद के साथ इंटरनेशनल डेब्यू किया और देश को गोल्ड मेडल दिलाया। 2023 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बैंकॉक में उन्होंने 2.26 मीटर की कूद लगाकर सिल्वर मेडल जीता और बुडापेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

उम्र सिर्फ एक नंबर है...

सर्वेश पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके बाद टोक्यो में आयोजित 2025 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने इतिहास रचा, जहां वे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष हाई जम्पर बने और छठे स्थान पर रहे। 31 साल की उम्र में अपनी जिंदगी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सर्वेश कुशारे ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है और आगामी एशियन गेम्स में वे भारत के लिए मेडल के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरेंगे।

हरियाली पर लापरवाही की मार... लिंक रोड नंबर-1 पर लगाए पेड़-पौधे बदहाल

भोपाल। शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लिंक रोड नंबर-1 पर लगाए गए पेड़-पौधे खुद उपेक्षा का शिकार होते नजर आ रहे हैं। सड़क किनारे लगाए गए कई पौधे टूट चुके हैं, अनेक सूखने की कगार पर हैं, जबकि कई स्थानों पर सुरक्षा ट्री-गार्ड भी क्षतिग्रस्त पड़े हैं। लंबे समय से इनकी देखरेख नहीं होने के कारण हरियाली बढ़ाने की पूरी मुहिम पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर पौधारोपण तो किया जाता है, लेकिन बाद में उनकी नियमित सिंचाई, देखभाल और सुरक्षा की व्यवस्था नहीं होने से अधिकांश पौधे नष्ट हो जाते हैं। कई पौधे वाहनों की टक्कर या आवारा पशुओं के कारण टूट गए हैं, लेकिन उन्हें बदलने या दोबारा लगाने की कोई पहल नहीं की जा रही है। बरसात का मौसम पौधों के विकास के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, लेकिन इसी समय यदि पौधों की उचित देखभाल नहीं होगी तो नगर निगम के हरित अभियान का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि यदि समय रहते इन पौधों को संरक्षित नहीं किया गया तो भविष्य में सड़क किनारे हरियाली विकसित करने का सपना अधूरा रह जाएगा।

पहली से आठवीं तक के बच्चों को अक्टूबर-नवंबर तक करना होगा इंतजार

प्रदेश के 52 लाख छात्र यूनीफॉर्म का कर रहे इंतजार, 350 करोड़ की टेंडर प्रक्रिया अटकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत हो चुकी है। सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल भी लौट आई है। स्कूलों में विद्यार्थी रंग-बिरंगे गणवेश में पहुंच रहे हैं। इनमें नए प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। हालांकि इस बार भी लाखों विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर स्कूल गणवेश नहीं मिल पाएगा। स्कूल खुलने के बावजूद पहली से आठवीं कक्षा तक के करीब 52 लाख विद्यार्थियों को सिली-सिलाई गणवेश के लिए अक्टूबर या नवंबर तक इंतजार करना पड़ेगा।

इस वर्ष शासन ने गणवेश वितरण की प्रक्रिया में बदलाव करते हुए विद्यार्थियों के खातों में राशि भेजने के बजाय सीधे सिली-सिलाई गणवेश उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम को सौंपी है। हालांकि टेंडर प्रक्रिया अभी अंतिम चरण में भी नहीं पहुंची है, जिससे गणवेश वितरण का काम प्रभावित होने की आशंका है।

जल्द पूरी होगी टेंडर प्रक्रिया- बता दें, कि दो वर्ष पूर्व भी सरकार ने विद्यार्थियों को सिली-सिलाई ड्रेस उपलब्ध कराने का निर्णय

लिया था। उस समय कपड़े की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के नाप को लेकर कई शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद पिछले साल 600 रुपये विद्यार्थियों के खाते में दिए गए। मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के महाप्रबंधक संजीव त्यागी का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी।

350 करोड़ होंगे खर्च- प्रदेश में पहली से आठवीं कक्षा तक 25 लाख 32 हजार 674 छात्र और 26 लाख 70 हजार 772 छात्राएं अध्ययनरत हैं। छात्राओं की संख्या छात्रों से 1 लाख 38 हजार 98 अधिक है। सभी विद्यार्थियों को दो सेट गणवेश उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगभग 350 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

1.40 करोड़ गणवेश तैयार करने की चुनौती

प्रदेश के लगभग 52 लाख विद्यार्थियों के लिए दो-दो सेट गणवेश सिलवाए जाने हैं। इस हिसाब से करीब 1.40 करोड़ गणवेश तैयार कर उनका वितरण किया जाएगा। टेंडर स्वीकृति, उत्पादन, सिलाई और परिवहन जैसी प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को देखते हुए विभागीय अधिकारियों का अनुमान है कि विद्यार्थियों तक गणवेश अक्टूबर या नवंबर में ही पहुंच पाएंगे। मप्र पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा गणवेश आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में प्री-बिड बैठक के दौरान वेंडरों की ओर से उठाए गए दावे, आपत्तियां और तकनीकी सवालों पर चर्चा चल रही है। निगम ने इच्छुक कंपनियों से छह जुलाई तक गणवेश के नमूने और कपड़े की गुणवत्ता संबंधी लैब रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद सात जुलाई को टेंडर खोले जाने का प्रस्ताव है।

राज्य वित्त आयोग एवं यूनिसेफ की बैठक में हुआ मंथन

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण की सुरक्षा पर निवेश की जरूरत : जयभान सिंह पवैया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वर्ष 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बच्चों में निवेश को सबसे महत्वपूर्ण आधार बताया गया है। मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि यदि राज्य को दीर्घकालिक रूप से मजबूत और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है, तो बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकाय इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

यह विचार राज्य वित्त आयोग कार्यालय, भोपाल में यूनिसेफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में व्यक्त किए गए। बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास, कुपोषण उन्मूलन, बेहतर पोषण व्यवस्था और समावेशी आर्थिक विकास के लिए स्थानीय निकायों की भूमिका को और प्रभावी बनाना था। पवैया ने यूनिसेफ द्वारा दिए गए प्रस्तुतिकरण की सराहना करते हुए कहा कि इस संवाद ने राज्य वित्त आयोग को एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया है, जिसमें स्थानीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण को सीधे बच्चों के विकास से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि स्थानीय निकायों को पर्याप्त वित्तीय संसाधन मिलें, ताकि वे बच्चों के हित में योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू कर सकें।

बैठक में राज्य वित्त आयोग के सदस्य के.के. सिंह, सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यूनिसेफ की ओर से सुश्री पूजा सिंह तथा दिल्ली कार्यालय से सोमेन बागची भी बैठक में शामिल हुए। पूरी चर्चा को बच्चों के बेहतर भविष्य और विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य से जोड़कर देखा गया। यूनिसेफ मध्यप्रदेश के प्रमुख विलियम हेनलोन जूनियर ने बैठक में विस्तृत प्रस्तुति देते हुए सुझाव दिया कि पंचायतों और शहरी निकायों को दिए जाने वाले वित्तीय हस्तांतरण के सूत्र में बच्चों से जुड़े विकास संकेतकों को शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों के समुचित विकास के लिए भी प्रयास होना चाहिए। उन्होंने नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में बौनापन, शारीरिक दुर्बलता, कुपोषण और बाल विवाह जैसी गंभीर समस्याओं की स्थिति को रेखांकित किया। जूनियर ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में बच्चों में कुपोषण की स्थिति एक गंभीर समस्या है। हालांकि सरकार इस विषय पर बेहतर काम कर रही है फिर भी अभी और ध्यान देने की जरूरत है। जिससे इन पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि इन संकेतकों को वित्त आयोग की अनुशंसाओं में शामिल किया जाता है, तो इससे नीति निर्माण अधिक प्रभावी व परिणामोन्मुखी बन सकेगा। साथ ही यूनिसेफ ने राज्य वित्त आयोग को तकनीकी विशेषज्ञता और डेटा विश्लेषण में सहयोग देने का प्रस्ताव भी रखा।

यूएडीआई निष्क्रिय कर सकती कार्ड

राजधानी में 70 हजार बच्चों के आधार कार्ड नहीं हुए संशोधित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के आधार सेंटरों पर इस समय स्कूली बच्चों की भीड़ लगी है, जो अपने अभिभावक के साथ आधार कार्ड अपडेट कराने आए हैं। राजधानी में 70 हजार आधार कार्ड उन स्कूली बच्चों के है, जोकि पांच से 15 साल के है। इनमें से अधिकतर कार्ड मजदूर के बच्चों के हैं, जिनके अभिभावक मजदूरी करने चले जाते हैं। इनकी चिंता स्कूलों के शिक्षक इसलिए कर रहे हैं कि इनका आधार कार्ड कहीं निष्क्रिय न हो जाए।

बता दें उक्त आधार कार्डों को निष्क्रिय करने से रोकने के लिए अभिभावकों को स्कूल के शिक्षक बुलाकर बच्चे के साथ आधार सेंटर भेज रहे हैं। इन बच्चों के आधार कार्ड अबतक अपडेट नहीं हुए हैं, यानी उनका बायोमेट्रिक डाटा, फिंगर प्रिंट और आइरिश स्केन नहीं हुआ तो ऐसे आधार कार्ड धारकों का कार्ड निलंबित हो सकता है।

नारायण नगर स्थितआधार केंद्र के प्रबंधक के अनुसार आधार मिल जाने के बाद सभी दस्तावेज आसानी से बन जाते हैं। इनमें चाहे बैंक में खाता खुलवाना हो, समग्र आईडी बनवाना हो। आय प्रमाण पत्र हो या मूल निवासी प्रमाण पत्र हो या स्कूल कालेजों में एडमिशन हो। इसके अलावा छात्रवृत्ति और कई प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को भी आधार को अपडेट रखना जरूरी है। आधार प्राधिकरण ने अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए निःशुल्क सुविधा 30 सितंबर तक रखी है।

आयुर्वेदिक उपचार की सुविधा, आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय

एम्स भोपाल में बिना भर्ती मिलेगा आयुर्वेद उपचार, 21 बेड की देखभाल केंद्र सुविधा शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल ने आयुष विभाग में 21 बेड की अत्याधुनिक आयुर्वेद डे-केयर सुविधा शुरू की है। इस सुविधा के माध्यम से ऐसे मरीज, जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता नहीं है, वे दिनभर उपचार लेकर उसी दिन घर लौट सकेंगे।नई डे-केयर यूनिट का उद्घाटन एम्स भोपाल के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार महापात्र ने किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा और आयुर्वेद का समन्वय मरीजों को समग्र स्वास्थ्य लाभ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एम्स के अनुसार, डे-केयर सुविधा में मरीजों को वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित आयुर्वेदिक उपचार आरामदायक वातावरण में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे भर्ती का दबाव भी कम होगा और अधिक मरीजों को उपचार का लाभ मिल सकेगा। उद्घाटन कार्यक्रम में निर्देशित ध्यान (गाइडेड मेडिटेशन) सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष प्रो. महापात्र ने भी सहभागिता की।

दोमुंहा सांप की तस्करी करने वाले को तीन साल की कैद

भोपाल। वन्य प्राणी दो मुंहा सांप की तस्करी करने वाले आरोपी प्रतीक सिंह बोहरा को भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय ने 3 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस और वन विभाग की टीम और आरोपी का पक्ष सुनने के बाद भोपाल जिला एवं सत्र न्यायालय के तेईसवें अपर सत्र न्यायाधीश सचिन जैन के न्यायालय ने आरोपी को यह सजा सुनाई। घटना 10 साल पुरानी है। पुलिस को इन्होंने अपने नाम अमन उर्फ हनी, लोकेश उर्फ मलिक, विजय उर्फ विज्जू, प्रतीक बोहर और ब्रजेश पटेल बताया। उनके पास एक बैग था, जिसकी चैन में एक दो मुंहा सांप सैंडबोआ मौजूद था। इस सांप की लंबाई 114 सेमी, मोटाई 12 सेमी और वजन लगभग 2 किलोग्राम था। यह गहरा भूरा रंग का साप था। इसके बाद पुलिस ने थाना एसटीएफ में अपराध पंजीबद्ध कर पड़ताल की।

महामना और मेमू ट्रेन 10 से 21 जुलाई तक रहेंगी निरस्त

ललितपुर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल में ललितपुर स्टेशन पर चल रहे यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण रेल परिचालन प्रभावित रहेंगा। इस दौरान पश्चिम मध्य रेल से संचालित होने वाली दो जोड़ी ट्रेनें निरस्त रहेगी। इसमें महामना और मेमू लोकल ट्रेन शामिल है। पमरे के जनसंपर्क अधिकारी नवल अग्रवाल ने बताया कि 64617/64618 बीना-ललितपुर मेमू ट्रेन 10 से 21 जुलाई तक 12 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी। इसी तरह 22163/2216 भोपाल-खजुराहो महामना एक्सप्रेस ट्रेन 16 से 20 जुलाई तक 05 ट्रिप के लिए निरस्त रहेगी।

20 जुलाई तक श्रीधाम का मार्ग परिवर्तित रहेगा

रेलवे ने ट्रेन 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस को 14 जुलाई से 20 जुलाई तक 7 फेरे के लिए बीना-गुना-ग्वालियर के रास्ते से चलाएगी।

एक जुलाई से दौड़ेगी कानपुर-मदुरै स्पेशल ट्रेन

उत्तर और दक्षिण भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने 1 जुलाई से कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इस विशेष ट्रेन का सीधा लाभ पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के बीना, भोपाल और इटारसी के यात्रियों को मिलेगा। इससे यात्रियों को बिना ट्रेन बदले दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक शहर मदुरै तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। भोपाल मंडल के बीना, भोपाल और इटारसी के यात्रियों को राहत। भोपाल मंडल के बीना, भोपाल और इटारसी के यात्रियों को राहत। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै स्पेशल प्रत्येक बुधवार 1 जुलाई से 29 जुलाई तक कुल पांच फेरे लगाएगी।

इटारसी-संतनगर होकर जाने वाली ट्रेनों का विस्तार

रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए इंदौर-हिरदाराम नगर होकर प्रयागराज छिवकी-बनारस तक जाने वाली डॉ. अम्बेडकर नगर- पटना ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार किया जा रहा है। ट्रेन 09343 डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना स्पेशल अब 30 जुलाई तक प्रत्येक गुरुवार और 09344 पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल 31 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। इसी तरह इटारसी हाल्ट लेकर जाने वाली वलसाड-दानापुर-वलसाड स्पेशल ट्रेन का भी विस्तार किया गया है। ट्रेन 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल अब 27 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार और 09026 दानापुर-वलसाड 28 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी।

मेट्रो एंकर

लंदन में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित, हाउस ऑफ कॉमंस में मिला पुरस्कार

तीन वर्ष 9 माह की जुड़वां बहनों ने 'ड्रम बजाकर' बनाया विश्व रिकार्ड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महज तीन वर्ष नौ माह की उम्र में भोपाल की जुड़वां बहनें सान्वी नाहर और समन्वी नाहर ने ड्रम बजाकर सबसे कम उम्र की 'महिला ड्रमर' का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दोनों बहनों का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दर्ज किया गया है। उन्हें ब्रिटेन की संसद के हाउस ऑफ कॉमंस में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

1 मिनट 20 सेकेंड की प्रस्तुति से बना विश्व रिकॉर्ड: सान्वी और समन्वी ने 21 मार्च 2026 को निर्धारित संगीत ट्रैक पर लगातार 1 मिनट 20 सेकेंड तक ड्रम बजाकर यह उपलब्धि हासिल की। इस प्रदर्शन के बाद संस्था की ओर से उन्हें प्रमाण पत्र, पदक और ट्रॉफी प्रदान की गई तथा उनका नाम आधिकारिक रिकॉर्ड में शामिल किया गया। ड्रम को संगीत की सबसे कठिन विधाओं में माना जाता है क्योंकि इसमें हाथ और पैरों का एक साथ सटीक तालमेल आवश्यक होता है। सामान्यतः इसे पांच वर्ष की आयु के बाद सिखाया जाता है, लेकिन दोनों बहनों ने मात्र सवा तीन वर्ष की उम्र में प्रशिक्षण शुरू कर दिया था।

शिक्षकों ने किया था इनकार, फिर मिली सफलता- परिजनों ने कई संगीत शिक्षकों से संपर्क किया, लेकिन कम उम्र के कारण अधिकांश ने ड्रम सिखाने से इनकार कर दिया। इसके बाद योगी म्यूजिक वैली अकादमी के प्रशिक्षक युग नामदेव ने इसे चुनौती के रूप में स्वीकार किया और प्रशिक्षण देना शुरू किया।

लगातार अभ्यास से मिली ऐतिहासिक उपलब्धि- रिकॉर्ड के लिए दोनों बहनों ने लगभग एक माह तक प्रतिदिन उसी संगीत ट्रैक का अभ्यास किया। निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप उन्होंने बिना रुके प्रस्तुति देकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। परिवार ने इसे गर्व का क्षण बताया और कहा कि बच्चों की रुचि को सही समय पर पहचानकर सही दिशा दी जाए तो वे असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

जल संरक्षण के संस्कार को संजोता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जल गंगा संवर्धन अभियान

(19 मार्च से 30 जून 2026)

समापन समारोह

हर ग्राम पंचायत में विशेष ग्रामसभा

उत्कृष्ट योगदान देने वालों का सम्मान

मुख्यमंत्री जी के संदेश का वाचन

नई जल संरचनाओं का लोकार्पण

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

30 जून, 2026

भैंसवामाता, विकासखण्ड सारंगपुर, जिला राजगढ़

सरकार और समाज के परस्पर सहयोग की मिसाल

₹10,514 करोड़ लागत के जल संरक्षण एवं संवर्धन के 3.62 लाख कार्य पूर्ण

ग्रामीण क्षेत्र

- ₹1500 करोड़ की लागत से 66,483 खेत -तालाब बनकर तैयार
- 96,992 कूप रीचार्ज संरचनाओं का निर्माण, भू-जल संवर्धन को गति
- 216 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य पूर्ण
- बूंद-बूंद का सुनिश्चित उपयोग, 14,882 सूक्ष्म सिंचाई क्षेत्रों का विस्तार
- ₹2253 करोड़ के 44,854 अन्य जल संरक्षण कार्य पूर्ण
- 800 से अधिक तालाबों के पाल एवं पिचिंग आदि की मरम्मत, सिंचाई की निर्बाध पहुंच
- 3,832 कि.मी. नहर प्रणालियों की सफाई एवं सिंचाई तंत्र को मजबूती
- 10,000 से अधिक कुएं, नदी एवं बावड़ियों की जनभागीदारी से सफाई

शहरी क्षेत्र

- 3100 से अधिक जल संरचनाएं हुईं अतिक्रमण मुक्त
- 9,400 से अधिक नालों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण
- शासकीय एवं आवासीय भवनों में 35,500 से अधिक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणालियां स्थापित

अन्य क्षेत्र

- WOW Application के माध्यम से सभी स्कूलों के जल भंडारण टंकियों की सफाई
- स्कूल एवं आंगनवाड़ी में 1.60 लाख+ पेयजल स्रोतों का परीक्षण
- 6,000 से अधिक पाइप लाइनों में लीकेज सुधार कार्य पूर्ण
- 854 औद्योगिक इकाइयों में स्थापित हुई रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली
- बेतवा, शिप्रा, कान्ह एवं अन्य प्रमुख नदियों के जल का गुणवत्ता परीक्षण एवं नालों का चिह्नांकन

वन क्षेत्र

- 1.30 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य पूर्ण

D-11048/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

बर्फ के नीचे दबी चेतावनी

अंटार्कटिका की बर्फीली वीरानी में हाल ही में घटित एक वैज्ञानिक अभियान केवल शोध की घटना नहीं है; यह मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ा एक ऐसा अध्याय है, जिसे गंभीरता से पढ़े जाने की आवश्यकता है। दुनिया के सबसे दुर्गम और खतरनाक इलाकों में से एक थ्वाइट्स ग्लेशियर की गहराइयों तक पहुंचने की कोशिश करने वाले वैज्ञानिक दरअसल बर्फ नहीं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य की परतें खोल रहे थे। आज जब दुनिया युद्धों, आर्थिक संकटों और राजनीतिक उथल-पुथल में उलझी हुई है, तब जलवायु परिवर्तन का संकट अपेक्षाकृत धीमा और दूरस्थ प्रतीत हो सकता है। लेकिन अंटार्कटिका से लौट रहे वैज्ञानिकों की चेतावनी हमें बताती है कि यह संकट न तो धीमा है और न ही दूर। थ्वाइट्स ग्लेशियर के नीचे बहता गर्म समुद्री जल उस विशाल बर्फीले किले की नींव को लगातार कमजोर कर रहा है, जिसने हजारों वर्षों से पृथ्वी के जलवायु संतुलन को संभाल रखा है। वैज्ञानिक इसे 'डूम्सडे ग्लेशियर' कहते हैं। यह नाम किसी सनसनी के लिए नहीं दिया गया। इसके पीछे वह आशंका है कि यदि यह विशाल हिमखंड अस्थिर होकर टूटने लगा, तो समुद्र का स्तर इतनी तेजी से बढ़ सकता है कि दुनिया के अनेक तटीय शहरों का भूगोल बदल जाए। आज जो महानगर आर्थिक विकास और आधुनिकता के प्रतीक हैं, वे कल समुद्र की बढ़ती लहरों के सामने असहाय खड़े दिखाई दे सकते हैं। लेकिन इस कहानी का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह मानव जिज्ञासा, धैर्य और वैज्ञानिक प्रतिबद्धता की कहानी है। भीषण हवाओं, खतरनाक समुद्री परिस्थितियों और लगातार असफलताओं की आशंका के बीच वैज्ञानिकों ने बर्फ की आधा मील मोटी परत को भेदने का प्रयास किया। कई बार प्रकृति ने रास्ता रोका, उपकरणों ने जवाब दिया और परिस्थितियों ने उम्मीदों को चुनौती दी। फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। दरअसल, विज्ञान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सफलताओं में नहीं, बल्कि उसकी जिद में छिपी होती है। हर असफल प्रयोग, हर अधूरी खोज और हर बाधा भविष्य की किसी बड़ी उपलब्धि की नींव बनती है। थ्वाइट्स अभियान भी इसी सत्य का प्रमाण है। वैज्ञानिक भले ही अपने सभी लक्ष्य हासिल न कर पाए हों, लेकिन जो आंकड़े वे लेकर लौटे हैं, वे आने वाले दशकों की जलवायु नीति और वैज्ञानिक समझ को दिशा दे सकते हैं।

पीएम मोदी बोलें या मौन रहें, चुभन तो होगी... अपने गिरेबां में झांके विपक्ष

सियाराम पांडेय 'शांत'
स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब बोलते हैं तो कुछ लोग परेशान हो उठते हैं और जब वे मौन हो जाते हैं, तब भी ऐसा ही कुछ मंजर देखने को मिलता है। देश को प्रेरित करने वाले उनके वाक्यों में भी कुछ लोग राजनीति के दीदार करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है कि जाकी रही भावना जैसी। प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उनके जितने प्रशंसक हैं, उतने ही विरोधी भी हैं। इस सच से इनकार नहीं किया जा सकता। विरोधियों के आरोपों के कीचड़ में कमल खिलाने के गुर उन्हें पता है। विपक्ष को यह समझना होगा कि पहाड़ जितना ऊंचा होता है, उतनी ही गहरी उसकी खाई होती है। पहाड़ पर चढ़ना आसान होता है लेकिन उसकी चोटी पर बने रहना कठिन क्योंकि शीर्ष से गिरे व्यक्ति को वहां तक पहुंचने में उतना ही श्रम फिर करना पड़ता है। कांग्रेस को यह बात समझनी होगी। दूसरों को कोसने से बात नहीं बनेगी बल्कि अपने गुण-दोष पहचान कर पूरी शक्ति से आगे बढ़ना होगा।

मौन साधना है। शक्ति संचय का अवसर है लेकिन किसके लिए। कुछ लोगों का जवाब होगा- साधकों के लिए और कुछ लोग कह सकते हैं कि सबके लिए। वैसे तो दोनों जवाब अपनी जगह सही है। बोलना और मौन रहना दोनों जरूरी है क्योंकि यह हानि-लाभ से जुड़ा मामला है। सुविधा और असुविधा के संतुलन से जुड़ा प्रकरण है। इसलिए इसे हल्के में लेने की कतई जरूरत नहीं है। हर नागरिक को बोलने और न बोलने का औचित्य समझना चाहिए। कब बोलना है, कहां बोलना है। कितना बोलना है, क्या बोलना है और क्यों बोलना है, इसकी वैज्ञानिक योजना तो हर आम और खास के मस्तिष्क में होनी ही चाहिए अन्यथा स्थितियां अनर्थकारी हो सकती हैं।

धर्मग्रंथ बताते हैं कि द्रौपदी का एक मजाक महाभारत का सबब बन गया था। वैसे भी जब दो अजीज दोस्तों के बीच झगड़ा हो। दोनों एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाएं तो ऐसी हालत में चुप्पी साध लेना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ भी बोलने का मतलब है, एक की नाराजगी मोल लेना। बहुधा देखने को मिलता है कि झगड़ा छुड़ाने के चक्कर में मध्यस्थ की ही जान चली जाती है। दो सांडों के संघर्ष में बचकर निकल लेने में ही भलाई है। नीति कहती है कि ज्यादा बोलना और ज्यादा चुप रहना ठीक नहीं है। 'अति का भला न बोलना, अति का भला न चुप। अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।' संस्कृत ग्रंथों में 'अति सर्वत्र' वर्जयेत कहकर हर व्यक्ति को सतर्क किया गया है।

वीणा के तारों को ज्यादा कसने पर जिस तरह उनके टूटने का खतरा रहता है। ढोलक की डोर कसते हुए उसे सुर में लाते वक्त कस कर ठोंकने पर जिस तरह उसके टूटने का खतरा रहता है, वैसा ही खतरा देश-विदेश में होने वाली घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने में होता है। सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को कुछ भी कहने से पूर्व उसके फलाफल का विचार जरूर करना चाहिए। क्योंकि जितने खतरे बोलने के होते हैं, उससे कम खतरे मौन के भी नहीं है। आजकल विपक्षी दल चाहते हैं कि देश-विदेश में होने वाली हर छोटी-मोटी घटना पर प्रधानमंत्री बिना एक मिनट का विलंब किए जवाब दें। विपक्ष की बात में कुछ हद तक दम हो सकता है लेकिन क्या प्रधानमंत्री को ऐसा करना चाहिए। यह देश के व्यापक हित में होगा, यह गहन आत्म मंथन का विषय है।

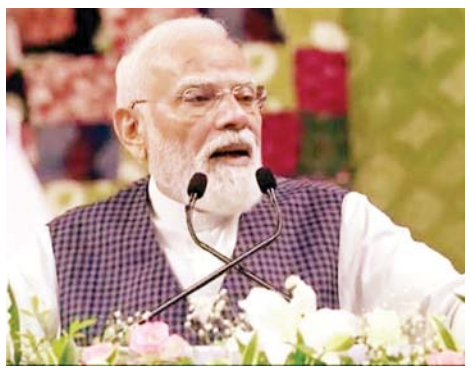

चुप्पी सभी को खलती है। विपक्ष इसका अपवाद नहीं हो सकता। फिर यह अपेक्षा उस प्रधानमंत्री से है जो बोलते ही रहते हैं। लोग अपने मन की बात छिपाते हैं और वह उसे भी रेडियो पर व्यक्त करते हैं लेकिन महत्व के मुद्दों पर जब वे मौन साध लेते हैं तो किसी भी व्यक्ति का शंकासिक्त हो उठना स्वाभाविक है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपने एक लेख में कहा है कि इजराइल द्वारा गाजा में किए जा रहे हमले पर मोदी सरकार की चुप्पी और निष्क्रियता नैतिक रूप से निंदनीय व राष्ट्रीय हित की दृष्टि से समझ से परे है। उनका आरोप है कि मोदी सरकार ने खुद को अपने पारंपरिक सहयोगियों फिलिस्तीन, ईरान और वृहद पश्चिम एशिया से अलग-थलग कर लिया है। वैश्विक जनमत से दूरी बना ली है और पाकिस्तान को मध्यस्थ की भूमिका निभाने का अवसर दे दिया। कांग्रेस नेता इस तरह की बातें लंबे समय से कर रहे हैं कि मोदी सरकार में भारत की विदेश नीति कमजोर हुई है लेकिन जिस तरीके से प्रधानमंत्री मोदी को अनेक देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिल चुके हैं और अनवरत मिलते जा रहे हैं, उससे ऐसा तो नहीं लगता कि हम वैदेशिक कूटनीति के मोर्चे पर कहीं कमजोर हुए हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच भी भारतीय तेल टैंकर बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से गुजरकर भारत पहुंचे हैं। हां, कुछेक तेलवाहक जहाजों पर हमले भी हुए हैं। कुछ दूसरे देशों के तेलवाहक जहाजों पर कभी ईरान और कभी अमेरिका की ओर से हमले भी हुए हैं और उस पर तैनात कुछ भारतीय नाविकों की मौत भी हुई है। इस पर भी विपक्ष ने सरकार को घेरने की कोशिश की है। यह जानते हुए भी इसके लिए भारत सरकार कड़ा प्रतिवाद कर चुकी है और अमेरिकी राजदूत को तलब तक कर चुकी है। जबकि कांग्रेस या अन्य विरोधी दलों को पता है कि भारत के लोग दुनिया भर में काम करते हैं। किसी भी देश में कुछ भी होता है तो उसमें भारतीय नागरिकों के हताहत होने का खतरा होता है। भारत को तेल आदि बहुतेरी वस्तुओं को किसी न किसी देश से आयात करना पड़ता है। ऐसे में वह किसी एक देश के पक्ष में बोलकर दूसरे देश से बिगाड़ क्यों करना चाहेगा? लेकिन जिस तरह कांग्रेस या दूसरे राजनीतिक दल मोदी सरकार को घेर रहे हैं, उससे यही लगता है कि या तो वे भारत की आवश्यकताओं और समस्याओं से अनभिज्ञ हैं या फिर जानबूझकर उसे जलती आग में हाथ डालने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि ऐसा करने में चित और पट दोनों विपक्ष के हित में है।

देश के हितों की चिंता करने वाला व्यक्ति ऐसी सलाह कभी नहीं देगा। यह इस बात का भी संकेत है कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस के लिए भारत की विदेश नीति से अधिक वोटबैंक की राजनीति महत्वपूर्ण है। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और ठोस मानवीय सहायता भी उपलब्ध कराई है। संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम संबंधी प्रस्तावों के समर्थन में भारत का रुख किसी से छिपा नहीं है। फिलिस्तीन अगर भारत को अपना विरोधी समझता तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिलिस्तीन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान क्यों देता? विचार तो इस पर भी किया जाना चाहिए। भारत ने गाजा और फिलिस्तीन के मुद्दे पर कई अवसरों पर अपना स्पष्ट रुख रखा है और उसे ठोस मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है। वैश्विक संघर्षों में आमने-सामने खड़े देशों के साथ भी समान रूप से संबंध बनाए रखने की प्रधानमंत्री मोदी की निरंतर कोशिश रही है। इजराइल, फिलिस्तीन, ईरान, अमेरिका, रूस, यूक्रेन और पश्चिमी देशों से भारत का सतत संवाद संपर्क इस बात का प्रमाण है। अब तो दुनिया के देश भी यह स्वीकार कर रहे हैं। युद्धरत देशों में शांति बहाल करने में भारत की बड़ी भूमिका हो सकती है।

इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते सोनिया गांधी और उनका परिवार अब भारत विरोध पर आमादा हो गया है। सत्ता से दूर होने का तनाव उसके कार्य व्यवहार पर भी नजर आने लगा है। बेहतर यह होगा कि कांग्रेस आत्मावलोकन करे। कौन कब बोले या मौन रहे, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह होगा कि कांग्रेस क्या बोले और क्यों बोले? बोलने और न बोलने की यह राजनीति देश को कहां ले जाएगी, आज का विचारणीय बिंदु यही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

प्रजाति और वंशानुगत श्रेष्ठता, केवल गोरी प्रजाति को ही बताया गया महान

एन के त्रिपाठी
पूर्व डीजीपी रैंक अधिकारी

मैंने पुस्तकालय से 1922 में प्रकाशित एक पुस्तक प्राप्त की। पुस्तक की दशा थोड़ी दयनीय है और उसके पृष्ठ हल्के भूरे रंग के हो गए हैं। 80 वर्षों में इसे केवल दो या तीन बार ही प्रदाय किया गया था। गोरे लोगों की श्रेष्ठता के युग में प्रकाशित इस पुस्तक में विज्ञान और और सांख्यिकी का प्रयोग करके, तथाकथित असभ्य अन्य प्रजातियें को नीचा दिखाया गया है। केवल गोरी प्रजाति को ही महान बताया गया है।

'द रिवोल्ट अगेंस्ट सिविलाइज़ेशन - द मेनेस ऑफ़ द अंडर-मैन' (सभ्यता के विरूद्ध विद्रोह - 'अंडर-मैन' की आपदा) पुस्तक के लेखक लोथ्रोप स्टोडार्ड थे। वे एक अमेरिकी इतिहासकार, पत्रकार, राजनीति वैज्ञानिक और गोरी प्रजाति की श्रेष्ठता में विश्वास रखने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपना सिद्धांत सिद्ध करने के लिए चार्ल्स डार्विन के 'प्राकृतिक चयन' (natural selection) के सिद्धांत और 19वीं सदी के अंत के कुछ वैज्ञानिकों और सांख्यिकीविदों के विचारों का उपयोग किया। वह मनुष्यों की समानता के विचार के पूर्णतया विरोधी थे। उनका कहना था, 'सभ्यता श्रेष्ठ प्रजाति समूहों पर निर्भर करती है '। वह रूसो के 'प्राकृतिक अवस्था' (state of nature) के सिद्धांत और स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के उनके सिद्धांत का उपहास उड़ाते थे। उनके लिए रूसो विक्षिप्त, मानसिक रूप से अस्थिर, नैतिक रूप से दुर्बल, यौन रूप से विकृत और विक्षिप्त थे !

लेखक 'अंडर-मैन' (निम्न-मानव) का एक विचार प्रस्तुत करते हैं। मैं उद्धृत करता हूँ: 'अनुकूलन न कर पाने वाले, निम्न स्तर के मनुष्यों का एक बड़ा समूह बचा हुआ है, जो मूल रूप से असभ्य है और सभ्यता का कट्टर शत्रु है '। निम्न स्तरीय 'अंडर-मैन' की संख्या बढ़ रही है, जिससे सबसे गौरवशाली समाज भी जलकर राख और गंदगी के ढेर में परिवर्तित हो रहे हैं। 'अंडर-मैन' पर नियंत्रण होना चाहिए, परंतु उनकी संख्या बढ़ती जाती है, और अवसर मिलने पर वे विद्रोह के लिए एकत्र हो जाते हैं। अपने समय में, वह रूस की बोल्शेविक क्रांति से बहुत क्रोधित थे। उनके लिए, सर्वहारा वर्ग (श्रमिक वर्ग) विद्रोही सेना थी जो अक्षम, ईर्ष्यालु, असंतुष्ट, सभ्यता और प्रगति से स्वाभाविक घृणा करने वाले तथा विद्रोह के लिए सतत तत्पर रहते थे। उनके लिए रूस स्वयं असभ्य देश था।

उनके लिए, गोरी प्रजाति सर्वश्रेष्ठ थी, और उसमें भी श्रेष्ठ वंश एवं परिवार वाले लोग ही वास्तव में सभ्य थे। उन्होंने भावना में बह कर गोरी प्रजाति के पक्ष में तर्क दिए हैं। विडंबना यह है कि उन्होंने घोषणा की, ' निस्संदेह आलोचना और विश्लेषण नपे-तुले और वैज्ञानिक होने चाहिए - न कि भावनाओं का विस्फोट '। हमें लेखक पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि उन्होंने यह उस समय लिखा था जब गोरी प्रजाति विश्व पर राज्य कर रही थी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

तेजी से वजन घटाने की कोशिश पड़ सकती है भारी, मेटाबॉलिज्म पर असर

आजकल वजन कम करना कई महिलाओं का लक्ष्य बन चुका है। लेकिन अक्सर देखा जाता है कि घंटों एक्सरसाइज करने और डाइटिंग करने के बावजूद वजन कम नहीं होता। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वजन घटाने के दौरान महिलाएं कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं जो उनके मेटाबॉलिज्म, हार्मोनल संतुलन और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। स्वस्थ तरीके से वजन घटाने के लिए केवल कम खाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही पोषण, पर्याप्त नींद और संतुलित जीवनशैली भी जरूरी है।

वजन कम करने के दौरान कई महिलाएं यह सोचती हैं कि वह जितना कम खाना खाएंगी उनका वजन उतनी तेजी से कम होगा। लेकिन यह धारणा पूरी तरह से सही नहीं है। हार्वर्ड के अनुसार जब शरीर को कैलोरी कम मात्रा में मिलती है तो वह एनर्जी बचाने के लिए मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है। इससे वजन कम होने की प्रक्रिया धीमी पड़ सकती है और थकान, पोषण की कमी और कमजोरी जैसी समस्याएं देखने को मिल सकती हैं।

पर्याप्त प्रोटीन न लेना: प्रोटीन वजन घटाने के दौरान सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक माना जाता है। इसके बावजूद कई महिलाएं अपनी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन शामिल नहीं करतीं। एनसीबीआई की स्टडी के अनुसार प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है, जिससे बार-बार खाने की इच्छा कम हो सकती है।

पर्याप्त नींद न लेना: यदि आप सही डाइट और एक्सरसाइज के बावजूद वजन कम नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह आपकी नींद और तनाव भी हो सकते हैं। रिसर्च बताती है कि नींद की कमी भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स को प्रभावित कर सकती है। इससे व्यक्ति अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ खाने लगता है। वहीं लंबे समय तक तनाव रहने पर कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है, जो पेट के आसपास फैट जमा होने और अधिक खाने की प्रवृत्ति से जुड़ा हुआ है।

आज के सोशल मीडिया के युग में कुछ ही हफ्तों में तेजी से वजन कम करने की उम्मीद करने लगते हैं । यही वजह है कि क्रैश डाइट, डिटॉक्स प्लान को फॉलो करने लगते हैं। रिसर्च कहती हैं कि तेजी से वजन घटाने की कोशिश अक्सर टिकाऊ नहीं होती। शुरुआती दिनों में जो वजन कम होता है, उसका बड़ा हिस्सा पानी और मांसपेशियों का हो सकता है। यदि महिलाएं संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, अच्छी नींद और नियमित शारीरिक गतिविधि को अपनाएं, तो वजन घटाने के रिजल्ट अधिक टिकाऊ और स्वस्थ हो सकते हैं।

सुविचार

वक्त और अपने जब दोनों एक साथ चोट पहुंचाते हैं, तो इंसान बाहर से ही नहीं, अंदर से भी पत्थर बन जाता है।

-अज्ञात

टेक्नो अपडेट

अपना मोबाइल नेटवर्क लाने की तैयारी में मस्क, अंतरिक्ष से कनेक्ट होगा स्मार्टफोन

एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी अमेरिकी यूजर्स के लिए जल्द मोबाइल सर्विस शुरू कर सकती है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इसके साथ स्टारलिंक वेरिजोन, एटीएंडटी और टी-मोबाइल जैसी दिग्गज कंपनियों को टक्कर देगी। गौर करने वाली बात है कि टी-मोबाइल के साथ मिलकर स्पेसएक्स दूरदराज के इलाकों में पहले ही डायरेक्ट-टू-सेल कनेक्टिविटी दे रही है। हालांकि अब कंपनी अपना बड़ा रिटेल नेटवर्क बनाकर अमेरिकी टेलीकॉम बाजार में घुसना चाहती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल ने बताया है कि हाल ही में रोडशो के दौरान निवेशकों को इस बारे में जानकारी दी गई कि स्पेसएक्स अपना मोबाइल नेटवर्क बनाने और स्टारलिंक का रिटेल प्रोडक्ट लॉन्च करने की सोच रहा है। अभी तक इसे लेकर स्पेसएक्स की तरफ से कोई जानकारी नहीं आई है। स्पेसएक्स ने अपनी मोबाइल सर्विस लॉन्च करने के लिए पिछले साल ही सितंबर में EchoStar कंपनी से 17 बिलियन डॉलर में वायरलेस स्पेक्ट्रम लाइसेंस खरीदे थे। इसके बाद नवंबर में फिर से 2.6 बिलियन डॉलर की एक और डील की गई थी।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन एयरवेव्स की मदद से स्पेसएक्स बहुत कम समय में एक मजबूत, तेज और किफायती डायरेक्ट-टू-सेल सर्विस उपलब्ध करवा सकती है।

हालांकि भारत में इस सर्विस के आने को लेकर फिलहाल कुछ भी साफ-साफ नहीं कहा जा सकता। दरअसल हाल ही में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने जून 2026 में नए ड्राफ्ट नियम जारी किए हैं। इसके तहत अब सैटेलाइट इंटरनेट या नेटवर्क उपलब्ध कराने के लिए सिर्फ लाइसेंस होना काफी नहीं है। इसमें बताया गया है कि कंपनियों को स्पेक्ट्रम मिलने के बाद भी केंद्र सरकार से खास मंजूरी लेनी होगी। फिलहाल भारत में स्टारलिंक की सर्विस ही शुरु नहीं हो पाई है क्योंकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां इस बात को लेकर सतर्क हैं कि संकट या आपातकाल के समय सैटेलाइट नेटवर्क को बंद या कंट्रोल कैसे किया जाएगा।

वायरल कंटेंट

नर्क से बदतर है इस जेल की जिंदगी कैदियों के लिए हिलने की जगह भी नहीं

नाइजीरिया की जेलों की हालत देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे। हाल ही में एक जेल के अंदर से निकाला गया फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटी-सी सेल में दर्जनों कैदियों को इतनी कसकर ठूंसा गया है कि वे हिलने-डुलने के भी लायक नहीं हैं। कुछ कैदी खड़े हैं, कुछ एक-दूसरे के ऊपर लेटे हुए हैं। अंधेरी, गंदी और बेहद तंग कोठरी में कैदियों की हालत बेहाल है।

2026 के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक नाइजीरिया की जेलों में में 80 हजार से ज्यादा कैदी बंद हैं। इनमें से करीब 64 प्रतिशत कैदी अभी ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यानी कई सालों से बिना दोषी ठहराए वे जेलों में सड़ रहे हैं। जेलों की आधिकारिक क्षमता से कहीं ज्यादा कैदियों की वजह से हालात पूरी तरह बेकाबू हो चुके है।

भारत में जेलों को कैदियों को सुधारने और बेहतर इंसान बनाने का केंद्र माना जाता है। यहां कैदियों को शिक्षा, ट्रेनिंग और रोजगार संबंधी स्किल्स सिखाई जाती हैं ताकि बाहर आने के बाद वे सामान्य जीवन जी सकें। लेकिन नाइजीरिया में जेल सजा काटने की जगह यातना का केंद्र बन गई है। उन्हें दिनभर एक ही जगह खड़े रहना या बैठना पड़ता है। शौचालय की सुविधा बेहद खराब है, खाना भी बहुत कम और घटिया मिलता है। बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। कई कैदियों की मौत हो चुकी है लेकिन आधिकारिक रिकॉर्ड में इसे छुपाया जा रहा है।

मानवाधिकार संगठनों की चिंताः अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन इस स्थिति पर गहरी चिंता जता रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने नाइजीरिया सरकार से तुरंत सुधार की मांग की है। जेलों में भीड़ कम करने, ट्रायल प्रक्रिया तेज करने और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की गई है। नाइजीरिया की न्याय व्यवस्था में देरी सबसे बड़ी समस्या है। छोटे-मोटे मामलों में भी कैदियों को सालों तक जेल में रहना पड़ता है। गरीब व्यक्ति वकील नहीं रख पाते और सालों तक बिना सुनवाई के जेल में सड़ते रहते हैं। नाइजीरिया सरकार का कहना है कि जेल सुधार पर काम चल रहा है। नए जेल बनाए जा रहे हैं और पुरानी व्यवस्था को अपग्रेड किया जा रहा है।

निशाना

सच के लिए गवाही ..!

रामकिशोर नाविक

नेक मशवरा भाई दे तो
दिल से मान सुनाई दे तो
मीठा बोल लगा सीने से
अपना सगा दिखाई दे तो
पुरस्कार से उसे नवाज़ें
सच के लिये गवाही दे तो
धन्यबाद आभार जतायें
कोई अगर बधाई दे तो
दिल की बीमारी सवार है
लाकर कोई दवाई दे तो

न्यूज विंडो

खतरा... ट्रेन के दरवाजों पर लटककर दौड़ रही जिंदगी

गंजबासौदा। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जैसे ही ट्रेन प्लेटफार्म रुकती है ट्रेन में सीट तो दूर, खड़े होने तक की जगह नहीं मिलने से यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर दरवाजों पर लटककर सफर करने को मजबूर हैं। ट्रेन का गेट खुलने से पहले ही दरवाजों पर धक्का-मुक्की का आलम बन जाता है और कई यात्री आधे शरीर के साथ बाहर लटककर यात्रा करते दिखाई देते हैं। ऐसा ही नजारा बीना तरफ से आने वाली राज्यरानी में देखने को मिला। रोजाना नौकरी, पढ़ाई और व्यापार के लिए सफर करने वाले यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के बावजूद पर्याप्त डिब्बों की व्यवस्था नहीं की जा रही है। नतीजतन लोग मजबूरी में जोखिम उठाने को विवश हैं। हालांकि कुछ यात्री जल्दबाजी और लापरवाही के कारण भी सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। रेलवे सुरक्षा नियम स्पष्ट रूप से चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने और दरवाजे पर लटककर यात्रा करने से मना करते हैं, लेकिन भीड़ और निगरानी की कमी के चलते इन नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है। प्लेटफॉर्म पर मौजूद रेलवे स्टाफ और सुरक्षा बल भी कई बार भीड़ को नियंत्रित करने में असहाय नजर आते हैं।

9.47 लाख की खेल सामग्री खरीदी में गबन का मामला, प्राचार्य पर केस दर्ज

नर्मदापुरम। अग्रणी शासकीय होम साइंस कॉलेज में खेल सामग्री खरीदी में कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन, तत्कालीन लेखा एवं भंडार प्रभारियों तथा खेल सामग्री उपलब्ध कराने वाली भोपाल की फर्म मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेज के विरुद्ध कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपियों पर अमानत में खयानत, गबन और शासकीय राशि के दुरुपयोग से संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार तहसीलदार सरिता मालवीय की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में खेलकूद प्रोत्साहन मद से 9 लाख 47 हजार 518 रुपये का भुगतान मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेज, भोपाल को किया गया। आरोप है कि खेल सामग्री का वास्तविक रूप से प्राप्त होना और उसका भौतिक सत्यापन किए बिना ही फर्जी तरीके से स्टॉक पंजी में प्रविष्टियां दर्ज कर दी गईं। जांच में यह भी पाया गया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा मध्य प्रदेश भंडार क्रय नियमों का उल्लंघन करते हुए शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया तथा पद का दुरुपयोग कर गबन किया गया। इसके आधार पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

रेत के अवैध उत्खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, दो पनडुब्बी मशीनें जब्त

नर्मदापुरम। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में तहसील सिवनी मालवा के ग्राम बाबरी और पथाडा क्षेत्र में संयुक्त टीम ने जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दो पनडुब्बी मशीनें अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए पाई गईं। टीम ने दोनों मशीनों को मौके से जब्त कर पुलिस थाना सिवनी मालवा की अभिरक्षा में जमा कराया। संयुक्त कार्रवाई में नायब तहसीलदार पूनम सिंह सलामे, खनि निरीक्षक पिंकी चौहान एवं पुलिस बल शामिल रहा। जब्त मशीनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर लगातार अभियान जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जीतू पटवारी ने बैतूल में धोए बर्तन हांके बैल-खेत में हल चलाया

बैतूल। कबीर के दोहे भला किसने नहीं पढ़े-सुने होंगे! इन दोहों के माध्यम से भारतीय समाज को पाखंड से मुक्ति दिलाने और समानता, प्रेम व मानवता का संदेश देनेवाले कबीरदास की आज देशभर में जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। ऐसे ही एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। सोमवार को वे बैतूल पहुंचे जहां संत कबीरदास की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। जीतू पटवारी ने यहां सेवा कार्य किया, बाकायदा बर्तन धोए। इतना ही नहीं, वे खेत में बैलों को हांकते और हल चलाते भी नजर आए। सामाजिक कुरीतियों, आडंबर एवं अंधविश्वास के विरुद्ध जनजागृति की। संत कबीर की जयंती पर प्रदेशभर के नेताओं ने उन्हें याद किया। जीतू पटवारी दोपहर में बैतूल पहुंचे जहां कबीर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बैतूल स्थित सतलोक आश्रम में संत रामपाल महाराज के सान्निध्य में आयोजित सत्संग एवं सेवा कार्यक्रम में भाग लिया। सेवा कार्य के अंतर्गत जीतू पटवारी ने बर्तन भी धोए। जीतू पटवारी एक खेत में पहुंच गए। यहां उन्होंने बैलों को हांकते हुए हल चलाया। इससे पहले जीतू पटवारी ने कुछ किसानों से बातचीत की, उनकी समस्याएं जानी। किसानों ने खाद की कमी से हो रही परेशानी की बात बताई।

केंद्रीयमंत्री की बैठक में नहीं पहुंचे विधायक और पार्षद, छलका दर्द

बंद कमरे में फूटा भाजपा में कलह का बम! बैठक के बीच सिंधिया को देनी पड़ी नसीहत

गुना। दोपहर मेट्रो

केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के तीन दिवसीय गुना प्रवास के दौरान बंद कमरे में हुई भाजपा नेताओं की बैठक ने संगठन के भीतर सुलग रही असंतोष की चिंगारी को सार्वजनिक कर दिया है। तेलघानी स्थित एक होटल में आयोजित बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा कम, और अपनों के ही खिलाफ उपेक्षा और नाराजगी का गुबार ज्यादा बाहर निकला। हालात इस कदर असहज हो गए कि खुद केंद्रीय मंत्री सिंधिया को कड़े लहजे में नसीहत देनी पड़ी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नेता शिकायत करने की परंपरा को छोड़ें और याद रखें कि यह पार्टी अम्मा-महाराज (राजमाता विजयाराजे सिंधिया और माधवराव सिंधिया) के सिद्धांतों और प्रयासों से खड़ी हुई है। हम सभी का एकमात्र लक्ष्य इसे मजबूत बनाना होना चाहिए। विधायकों और पार्षदों की दूरी चर्चा में रही इस पूरी बैठक का सबसे चौंकाने वाला पहलू कुछ प्रमुख चेहरों की अनुपस्थिति रहा।

सिंधिया जैसे कद्दावर नेता की बैठक से विधायक पन्नालाल शाक्य और प्रियंका मीना पूरी तरह गायब रहे। पूर्व विधायक राजेंद्र सलूजा और राधेश्याम पारीख भी बैठक में नहीं पहुंचे। गुना नगरपालिका के अधिकांश भाजपा पार्षद भी दूर रहे। सूत्रों की मानें तो पार्षद नपा अध्यक्ष की कार्यशैली और मनमानी से लंबे समय से खफा हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी जब अध्यक्ष के खिलाफ कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो पार्षदों ने विरोध स्वरूप इस बार सिंधिया से मुलाकात करने से भी दूरी बना ली।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो गुना विधायकों, पूर्व विधायकों और पार्षदों का यह सामूहिक किनारा साफ संदेश दे रहा कि गुना भाजपा के भीतर अंदरूनी गुटबाजी और खींचतान अब चरम पर पहुंच चुकी है, जिसे समय रहते न संभाला गया तो आगामी समय में संगठन को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सांगठनिक असंतुलन और एक व्यक्ति-दो पद पर सवाल

बैठक के बाद भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने जिले में बढ़ते राजनीतिक असंतोष के असली कारणों का खुलासा किया। नेताओं के मुताबिक, पूर्व में प्रदेश कार्यकारिणी में गुना जिले से 10 नेताओं को प्रतिनिधित्व मिला हुआ था, जिससे हर गुट और क्षेत्र का संतुलन बना हुआ था। वर्तमान कार्यसमिति में केवल तीन नेताओं हरीसिंह यादव, महेंद्र सिंह सिसौदिया और गजेंद्र सिकरवार को ही जगह दी गई है। जबकि पूर्व में शामिल रहे राजेंद्र सलूजा, गोविंद राठी और राधेश्याम पारीख जैसे कद्दावर चेहरे बाहर कर दिए गए हैं। असंतुष्ट धड़े का यह भी आरोप है कि गुना भाजपा में एक व्यक्ति, एक पद के स्थापित सिद्धांत का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे जमीनी नेताओं के अधिकार मारे जा रहे हैं।

प्रोटोकॉल और सूचना तंत्र पर फूटा गुस्सा

बैठक की शुरुआत ही बेहद तल्ख माहौल में हुई। भाजपा के एक पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने जिले के सूचना तंत्र और प्रोटोकॉल पर सीधे सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने कहा कि पहले जब भी कोई केंद्रीय मंत्री या बड़ा नेता क्षेत्र में आता था, तो सभी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को विधिवत और समय पर सूचना दी जाती थी। अब यह व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अब तो यह भी पता नहीं चलता कि कौन सा बड़ा नेता कब आ रहा है और कब जा रहा है। इस पर आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ नेताओं ने सुर में सुर मिलाया। नेताओं का आरोप था कि सर्किट हाउस में प्रशासन द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के बैठने का कोई अलग या इंतजाम नहीं किया जाता है। अपनी ही सरकार होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर उपेक्षा झेलने के कारण पार्टी के पुराने और जमीनी कार्यकर्ता खुद को बेहद अपमानित और अलग-थलग महसूस कर रहे हैं।

सकारात्मक काम की बात करें: सिंधिया

पार्टी के भीतर से आ रही शिकायतों की इस लंबी झड़ी को सुनकर सांसद सिंधिया अपनी नाराजगी नहीं छिपा सके। उन्होंने उपस्थित नेताओं को समझाइश देते हुए कहा कि केवल कमियां गिनाने या एक-दूसरे की शिकायत करने से संगठन का भला नहीं होगा। सिंधिया ने दो टूक शब्दों में कहा कि आप लोग मुझे कोई ऐसा सकारात्मक काम बताइए जो आपने संगठन या जनता के हित में खुद आगे बढ़कर किया हो। हर बात में शिकायत करना बंद होना चाहिए। हालांकि, जब व्यापार प्रकोष्ठ और चैंबर ऑफ कॉमर्स के नेताओं ने सुझाव दिया कि यदि सिंधिया के दौरे का कार्यक्रम कुछ दिन पहले मिल जाए तो स्थानीय स्तर पर जनता से जुड़े कई लाभकारी कार्यक्रम जोड़े जा सकते हैं, तो केंद्रीय मंत्री ने इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि वे अब अपने संसदीय क्षेत्र में अलग-अलग समय और तारीखों में सघन दौरे कर रहे हैं और इस व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा।

पिता-पुत्र सहित तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, दो की मौत

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शहर के सिटी कोतवाली थाना इलाके में स्थित हमां बस स्टैंड के पास देर रात करीब 12 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार पिता और पुत्र की मौत हो गई, जबकि अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। जानकारी के अनुसार, बड़ेरापुरा (सौंप) में रहने वाले 52 वर्षीय कृपाल सेन, उनका 30 वर्षीय बेटा कुंती सेन और एक अन्य 19 वर्षीय हेमंत कुशवाहा एक ही बाइक से छतरपुर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान महोबा रोड की ओर से तेज रफ्तार सामने से आए अज्ञात (बोलेरो) चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कृपाल सेन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कुंती सेन और हेमंत कुशवाहा को स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां अस्पताल पहुंचने पर कुंती सेन को भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल हेमंत कुशवाहा का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

इधर, सोमवार को घायल हेमंत ने पुलिस को बयान दिए साथ ही मीडिया को भी बताया कि छतरपुर बस स्टैंड पर स्थित छक्की यादव की दूध डेरी पर वो काम करता है। इस दौरान पिता-पुत्र उनकी डेरी पर आए, वो शादी समारोह से लौट रहे थे। रास्ते में रुकते हुए दूध लेकर घर लौट रहे थे। हमारा घर आसपास ही है तो मैने उनसे कहा कि, क्या वो मुझे भी अपने साथ ले चल सकते हैं? इसपर कृपाल सेन राजी हो गए। मैं उन्हीं के साथ एक बाइक पर सवार होकर घर लौट रहा था। इसी दौरान वो रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। हेमंत ने बताया कि जब हम हमां बस स्टैंड के पास पहुंचे तो सामने से अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। मुझे थोड़ा बहुत होश था। मैने उनसे मदद करने को भी कहा, पर वो लोग मदद किए बिना मौके से फरार हो गए। यही नहीं, घटना के बाद वाहन से एक शख्स उतरा। उसने मेरे हाथ में मोबाइल देखा तो उसे वो छुड़ाकर ले गया। संभवतः हमारे सूचित करने पर वो पकड़े न जाएं इसलिए फोन ले गए होंगे। हालांकि, घटनास्थल पर पुलिस को वाहन के कुछ टूटे टुकड़े मिले हैं। साथ ही, मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी वो कैद हुए हैं।

खेतों से मोटर और केबल चुराने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

2 को दबोचा, 5 मोटर पंप, केबल और बाइक सहित 90 हजार का सामान किया बरामद

धार। दोपहर मेट्रो

मनावर क्षेत्र के किसानों के खेतों से सिंचाई की मोटर और केबल चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का मनावर पुलिस ने पर्दाफाश किया है, चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फिलहाल फरार बताया जा रहा है। आरोपियों के पास से करीब 90 हजार रुपये मूल्य का चोरी का माल और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

थाना क्षेत्र के ग्राम बालीपुर और भादरपुरा में पिछले कुछ समय से किसानों के खेतों से सिंचाई के मोटर पंप और कॉपर केबल चोरी होने की वारदातें सामने आ रही थीं। अज्ञात चोरों ने 20 फरवरी, 28 मई और 12 जून की रात को इन चोरियों को अंजाम दिया था। किसानों की शिकायत पर मनावर थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मनावर थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वरसिंह चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर ग्राम बालीपुर में घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की, तो उन्होंने चोरी की वारदातों को अंजाम देना कुबूल कर लिया। पुलिस ने मामले में कन्नू उर्फ कन्हैया निवासी इमीलपुरा बालीपुरा और पवन पिता बिलाम डावर को गिरफ्तार किया है, कालू पिता सातिया मानकर अभी फरार है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया है, जिसमें शामिल हैं 5 पानी की मोटर, 100 फीट कॉपर केबल और 25 फीट वायर के साथ एक बाइक को भी जप्त किया है। चोरी के खुलासे में मनावर थाना प्रभारी निरीक्षक ईश्वरसिंह चौहान, उपनिरीक्षक मनीष चौधरी, प्रधान आरक्षक भारतसिंह, प्रधान आरक्षक बिसनसिंह मुजाल्दा, आरक्षक जितेन्द्र कुशवाह के साथ-साथ सायबर टीम धार के प्रधान आरक्षक सर्वेशसिंह सोलंकी और आरक्षक प्रशांत चौहान की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

2024 के बाद नहीं हुई नर्मदा उद्गम ट्रस्ट की बैठक? जवाब मांग रहे श्रद्धालु व क्षेत्रवासी

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

नर्मदा उद्गम ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं के बीच कई सवाल उठ रहे हैं। चर्चा है कि ट्रस्ट की अंतिम बैठक अक्टूबर 2024 में हुई थी और उसके बाद अब तक कोई बैठक आयोजित नहीं की गई। यदि यह तथ्य सही है, तो सवाल उठता है कि इस अवधि में दो बार नर्मदा जयंती महोत्सव आयोजित होने के बावजूद ट्रस्ट की बैठक क्यों नहीं बुलाई गई। जानकारों का कहना है कि नर्मदा जयंती के बाहरी आयोजन और उनके खर्चों का नर्मदा उद्गम ट्रस्ट से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। ऐसे में ट्रस्ट से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर नियमित बैठक होना आवश्यक माना जाता है। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट की समिति में कोषाध्यक्ष के साथ नगर पालिका के सीएमओ, कलेक्टर, एसडीएम तथा कमिश्नर जैसे वरिष्ठ अधिकारी सदस्य हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठ रहा है कि यदि लंबे समय से बैठक नहीं हुई, तो ट्रस्ट के प्रशासनिक निर्णय, विकास कार्यों की समीक्षा और वित्तीय मामलों पर विचार-विमर्श किस प्रकार किया गया।

4 माह से फरार निगरानी बदमाश गिरफ्तार, कच्ची शराब भी बरामद

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने महिदपुर थाना क्षेत्र के कुख्यात निगरानी बदमाश निजाम उर्फ निजामुद्दीन को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पिछले चार महीने से अवैध वसूली और मारपीट के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे रात की गश्त के दौरान 10 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची जहरीली शराब के साथ पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी 2026 को महिदपुर के फकीर मोहल्ला निवासी निजाम उर्फ निजामुद्दीन ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति को धमकाया था। आरोपी ने खुद को महिदपुर का ÷किंग÷ बताते हुए कहा था कि अगर महिदपुर में रहना है तो उसके घर पर लगे सीसीटीवी कैमरों के रखरखाव का खर्च देना होगा। आरोपी ने फरियादी से 10 हजार रुपये की मांग की थी। जब फरियादी ने पैसे देने से इनकार किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की। इसके बाद लोहे के पाइप और लात-घूंसों से मारपीट की गई। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में महिदपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। 28 जून 2026 की रात थाना प्रभारी अशोक पाटीदार अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि फरार आरोपी निजामुद्दीन हाथ भट्टी की कच्ची शराब बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची महुआ की जहरीली शराब बरामद हुई। इस मामले में आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत भी अलग से मामला दर्ज किया गया है।

निष्पक्ष जांच की उठी मांग

नगरपालिका के स्टोर रजिस्टर और खरीदी में बड़े घोटाले की आशंका

धनपुरी। दोपहर मेट्रो

धनपुरी नगर पालिका के स्टोर रजिस्टर में दर्ज सामग्री तथा विभिन्न खरीदी प्रक्रियाओं को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि स्टोर में दर्ज स्टॉक और वास्तविक सामग्री में अंतर होने के साथ-साथ खरीदी प्रक्रिया में भी वित्तीय गड़बड़ियां की गई हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि स्टोर रजिस्टर, बिल-वाउचर, स्टॉक सत्यापन रिपोर्ट और खरीदी से संबंधित दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले का खुलासा हो सकता है। उनका आरोप है कि सरकारी धन के उपयोग में पारदर्शिता नहीं बरती गई।

मेट्रो एंकर

सिंहस्थ-2028 की सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार

25 हजार जवान और वालंटियर संभालेंगे मोर्चा

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 25 हजार से अधिक प्रशिक्षित जवान और स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। होमगार्ड, सिविल डिफेंस और आपदा प्रबंधन की महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कहा कि सिंहस्थ की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

दो दिवसीय उज्जैन दौरे पर पहुंचीं महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कालिदास अकादमी में होमगार्ड, सिविल डिफेंस वालंटियर्स, आपदा मित्र और एसडीआरएफ के जवानों के साथ बैठक की। बैठक में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान सिंहस्थ-2028 से पहले सभी जवानों और स्वयंसेवकों को पूरी तरह प्रशिक्षित करने की

रणनीति पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने प्रशिक्षण व्यवस्था, सुरक्षा तैयारियों और उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में कार्यरत होमगार्ड, सिविल डिफेंस वालंटियर्स, आपदा मित्र और एसडीआरएफ के जवानों से सीधे संवाद कर उनकी तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ से पहले सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार किए गए सुरक्षा प्लान के तहत करीब 10 हजार होमगार्ड और तकनीकी स्वयंसेवकों को भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और घाटों की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा 10 से 15 हजार आपदा मित्र और सिविल डिफेंस स्वयंसेवक प्राथमिक उपचार, रेस्क्यू ऑपरेशन और खोया-पाया केंद्रों का संचालन संभालेंगे। वहीं एसडीआरएफ और पुलिस बल को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर रखा जाएगा। इसके लिए विशेष टीमें भी तैनात की जाएंगी।

भर्ती और प्रशिक्षण अंतिम चरण में

महानिदेशक ने बताया कि होमगार्ड की भर्ती अंतिम चरण में है। इसके साथ ही गांव-गांव से चुने गए युवाओं को 'आपदा मित्र' के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें सीपीआर देने से लेकर नाव चलाने और बचाव कार्यों की पूरी जानकारी दी जा रही है। उद्देश्य यह है कि शिप्रा नदी के हर घाट पर प्रशिक्षित स्वयंसेवक मौजूद रहें।

महाकुंभ जैसी होगी सुरक्षा

प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 का स्वरूप महाकुंभ जैसा होगा, जहां करोड़ों श्रद्धालु पहुंचेंगे। ऐसे में प्रशासन की कोशिश है कि भगदड़, आग, बाढ़ या किसी भी आपात स्थिति में पांच मिनट के भीतर राहत और बचाव कार्य शुरू हो जाए। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच रियल-टाइम समन्वय पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कुंडलपुर से लौट रहे दंपति पर गिरा सूखा आम का पेड़, हादसे में दोनों की मौत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के प्रसिद्ध जैन तीर्थस्थल श्री कुंडलपुर के दर्शन कर वापस लौट रहे जबलपुर निवासी बाइक सवार दंपति की सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम परासई स्थित पेट्रोल पंप करौंदी के पास आंधी-तूफान के दौरान सड़क किनारे खड़ा आम का सूखा पेड़ अचानक गिर गया, जिसकी चपेट में स्कूटी सवार दंपति आ गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को जिला अस्पताल दमोह पहुंचाया। यहां ड्यूटीरत चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया

मृतकों की पहचान आशीष जैन (55) पिता राजेंद्र जैन तथा उनकी पत्नी शोभा जैन (50) पति आशीष जैन, निवासी दीक्षितपुरा, मन्नूलाल हॉस्पिटल

के सामने, थाना कोतवाली, जबलपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दंपति सुबह जबलपुर से कुंडलपुर तीर्थ के दर्शन करने गई थी दर्शन करने के बाद दोपहर में कुंडलपुर से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही तेजगढ़ थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की दोनों के शवों को जिला अस्पताल की शवगृह में सुरक्षित रखवाया गया है। मंगलवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। इस हृदयविदारक हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है। अचानक हुए इस हादसे ने एक परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। मृतक के भतीजे शुभम जैन ने बताया कि मेरे बुआ और फूफा बाइक से कुंडलपुर बड़े बाबा के दर्शन करने के लिए गए थे। सोमवार शाम वहां से वापस उन्हें तेजगढ़ हमारे घर आना था, लेकिन परासई में पेट्रोल पंप के समीप किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा एक सूखे पेड़ में आग लगाई थी। इस पेड़ की डाल बुआ, फूफा के ऊपर गिरी। जिससे दोनों की मौके पर मौत हो गई। मुझे घटना की जानकारी लगी तो हम भी घटनास्थल पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है। घटना की जानकारी लगते ही तेजगढ़ पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंची है और परिजनों के बयानों के आधार पर मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। दोनों के शव जिला अस्पताल के शव ग्रह में रखे गए हैं। मंगलवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा, पोस्टमार्टम कार्रवाई कर शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा।

बहन से मिलने तेजगढ़ आ रहे थे मृतक

बताया जा रहा है शोभा जैन अपनी बहन से मिलने के लिए तेजगढ़ ग्राम आ रही थी तभी यह हादसा हुआ है। सुबह वो अपनी स्कूटी बाइक से कटंगी जबेरा होते हुए कुंडलपुर गए थे, लेकिन वापस आते समय तेजगढ़ में अपनी बहन से मिलते हुए तेंदूखेड़ा होते जबलपुर घर जाना था।

लोगों की लापरवाही ने ले ली दो जान

इस हादसे में सड़क किनारे लगा आम का पेड़ गिरने से मौत हुई है वहीं आम के पेड़ को गर्मियों के दिनों में लोगों द्वारा नीचे से आग लगाकर कमजोर कर दिया था, जिसके कारण आज तेज आंधी तूफान से पेड़ धराशाई हो गया चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। इस संबंध में तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आंधी-तूफान के कारण पेड़ की सूखी डाल या पेड़ गिरने से दुर्घटना होना सामने आया है। दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शवो का पोस्टमार्टम मंगलवार को किया जाएगा पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

अवैध 35 बोरी डीएपी खाद एवं 450 लीटर डीजल किया जब्त

तेंदूखेड़ा। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशानुसार जिले में खाद की कालाबाजारी एवं अवैध ईंधन भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तेंदूखेड़ा तहसीलदार विवेक व्यास के नेतृत्व में ग्राम सर्रा में बड़ी कार्रवाई की गई। राजस्व विभाग की टीम ने सर्रा निवासी राकेश जैन पिता लक्ष्मी चंद जैन की किराना एवं गल्ला दुकान पर औचक निरीक्षण एवं तलाशी अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान दुकान एवं उससे संबंधित गोदाम की तलाशी लेने पर किसानों के लिए आवश्यक डीएपी खाद का अवैध भंडारण तथा बिना वैध अनुमति के लगभग 450 लीटर डीजल संग्रहित पाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 35 बोरी डीएपी खाद एवं 450 लीटर डीजल जब्त किया गया। प्रारंभिक जांच में संबंधित व्यक्ति खाद भंडारण एवं डीजल संग्रहण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद तहसीलदार ने मौके पर ही जब्त सामग्री को विधिवत संबंधित दुकान को भी सील कर दिया । मामले में प्रतिवेदन तैयार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एसएडीओ एवं खाद्य विभाग के खाद्य निरीक्षक को प्रेषित किया जा रहा है। संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में खाद के स्रोत, उसके वितरण की प्रक्रिया तथा संभावित कालाबाजारी के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि किसानों के लिए निर्धारित खाद का अवैध रूप से भंडारण कर अधिक कीमत पर बिक्री किए जाने की तैयारी तो नहीं की जा रही थी।

सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरुकता अभियान आयोजित

तेंदूखेड़ा। पुलिस महा निर्देशक भोपाल के निर्देशानुसार दमोह पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के निर्देशन में प्रदेश व्यापी सेफ क्लिक 2.0 सायबर सुरक्षा कार्यक्रम जनपद के दूरस्थ ग्राम इमलीडोल में ग्रामीण विकास समिति एवं जिला पुलिस दमोह के संयुक्त तत्वधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपाय बताते हुए ग्रामीणों से ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा न करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। थाना प्रभारी रावेंद्र बागरी एवं पुलिस टीम ने वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से ऑनलाइन ठगी के नए-नए तरीकों और उनसे बचाव की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त एसडीओपी आरके सेन ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए डिजिटल सतर्कता का संदेश दिया। जीव्हीएस डायरेक्टर गोविंद यादव ने कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है और प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच नवल झरिया, पंचायत सचिव बीडी यादव, प्रधान आरक्षक ब्रजेश तिवारी, आरक्षक अंकिता मिश्रा, रौनक पटेल, विजय दीक्षित, ज्योति राव, प्रियंका साहू, राजेश ठाकुर, द्रोपती नवीन, सुषमा यादव, संतोष सिंह, नीरज यादव सहित ग्राम के लगभग 150 ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। ग्रामीण विकास समिति द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

गणेश मंदिर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आज

नरसिंहपुर। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 30 जून मंगलवार को नि:शुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर गणनायक फाउंडेशन द्वारा आयोजित है। हर वर्ष की तरह सिद्धपीठ के संस्थापक पं कृष्णकुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त सेवा शिविर होता है। इसमें स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की टीम मौजूद रहेगी। इसमें जिन भी मरीजों को मोतियाबिंद या अन्य ऑपरेशन की अवस्था पाई जाएगी, उन्हें झोतेश्वर चिकित्सालय ले जाकर नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। जागरूकजनों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आसपास के जरूरमंद व्यक्तियों को शिविर का लाभ दिलाकर नेक कार्य में भागीदार बनें।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व चीतों को लेकर सवालों के घेरे में

चीतों के आने से पहले बाघ और इंसान में द्वंद, विस्थापन प्रक्रिया पर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) में अफ्रीकन चीतों की आमद की तैयारी तेजी से चल रही है। संभावना है कि अगले महीने चीते अपने तीसरे घर में भी दस्तक दे दें, लेकिन हाल ही में नौरादेही में बाघ के युवक पर हमले और फिर ग्रामीणों द्वारा बाघ को खदेड़े जाने की घटना ने बाघों ही नहीं, चीतों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात ये है कि ये घटना जिस गांव में हुई है, उस गांव मोहली पटना में विस्थापना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और लोगों को मुआवजा भी मिल चुका है, लेकिन फिर भी लोग अपना गांव छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में बाघ और मानव द्वंद्व की स्थिति के बाद 12 साल से चल रही टाइगर रिजर्व की विस्थापन की प्रक्रिया पर सवालिया निशान लग रहे हैं, क्योंकि विस्थापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी अगर गांव खाली नहीं होंगे, तो चीतों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होंगे।

दरअसल, 22 जून की सुबह नौरादेही टाइगर रिजर्व के मोहली पटना गांव में हुए एक हादसे ने मध्य प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व के वन्यजीवों और वहां रह रहे इंसानों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 22 जून को सुबह सवेरे मोहली पटना गांव का 32 साल का सुदामा यादव नाम का युवक

अपने खेत जा रहा था. तभी झाड़ियों में छिपे बैठे बाघ ने उस पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में युवक को हाथ और पीठ पर गंभीर चोट आई और फिलहाल सागर जिला अस्पताल में युवक का इलाज चल रहा है इस घटना के बाद का एक और वीडियो सामने आया है. जिसमें इसी गांव के लोग बाघ को खदेड़ते हुए दिख रहे हैं और बाघ पर हमले की बात भी सामने आ रही है, जिसकी जांच चल रही है। इस घटना ने बाघ और इंसानों के बीच द्वंद्व को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. सबसे बड़ा सवाल ये है कि पिछले करीब 8 साल से नौरादेही में बाघ हैं. बाघ और इंसान के बीच द्वंद की स्थिति बन रही है, तो नए मेहमान चीते कितने सुरक्षित रहेंगे. सवाल ये भी है कि जिस गांव को कागजों पर पूरी तरह विस्थापित किया जा चुका है और वहां के रहवासी मुआवजा भी ले चुके हैं। ऐसे में गांव में लोग अभी भी रह रहे हैं। इन हालातों में इंसानों और वन्यजीवों के बीच टकराव बढ़ने की संभावना बढ रही है। नौरादेही टाइगर रिजर्व की बात करें, तो तीन जिलों में फैले मध्य प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व में 2013-14 से विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी. टाइगर रिजर्व के भीतर 93 गांव बसे हुए हैं और करीब 12 साल की विस्थापन प्रक्रिया में पूरी तरह से सिर्फ 28 गांव विस्थापित हो पाए हैं। 24 गांव में विस्थापन की प्रक्रिया जारी है और इन गांवों में लोगों ने धीरे-धीरे विस्थापित होना शुरू कर दिया है बाकी बचे 41 गांव में विस्थापन की प्रक्रिया शुरूआती चरण में है।

28 गांव हो गए खाली, 24 गांवों की चल रही प्रक्रिया

एक समय नौरादेही में 93 गांव हुआ करते थे, 2013-14 में विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हुई। गांव में शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं होता है, कई तरह की दिक्कतें होती है और विस्थापन नीति में भी कमी हो सकती है. हम लोग आज तक 28 गांव पूरी तरह खाली करा चुके हैं। 24 गांवों में प्रक्रिया चल रही है और कई गांव से 80 प्रतिशत लोग जा चुके हैं. वो कब जाएंगे, ये निर्णय विस्थापित लोगों का है। मैं या शासन उसे बलपूर्वक नहीं भेज सकते हैं हमें विस्थापितों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण रखना होता है. एक दुर्घटना उनके अंदर रहने के कारण है, लेकिन वो भय और डर के साथ दिन रात जीते हैं। इनके प्रति हमें सहानुभूति पूर्वक दृष्टिकोण रखना होगा। शासन की मंशा भी ऐसी नहीं है. ये प्रक्रिया 2013 से चल रही है, अभी 41 गांव में विस्थापन तो शुरू होना है। हम लोग लगातार लोगों से संवाद कर रहे हैं। वन्यप्राणी समझदार नहीं होता है, तो हम वनक्षेत्र के भीतर और बाहर के लोगों से कहना चाहते हैं कि वो जब वनक्षेत्र में जाएं, तो सावधानी पूर्वक जाएं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह का कहना है कि गांवों का विस्थापन का मामला बड़ा संवेदनशील मामला है। जहां तक वन क्षेत्रों में होने वाले विस्थापन की बात है, तो इसे स्वैच्छिक वन विस्थापन कहा जाता है, तो इस मामले में विस्थापित हो रहे लोगों के मन में जाने की इच्छा बहुत जरूरी है। सिर्फ इस आधार पर हम गांव खाली नहीं करा सकते हैं कि हमनें मुआवजा की प्रक्रिया को पूरा कर दिया है। केवल पैसों के आधार पर हम उन्हें बलपूर्वक नहीं भगा सकते हैं। हम लोगों से संवाद करते हैं और उन्हें समझाते हैं, लोग भी समझते हैं।

पानी सप्लाई को लेकर नर्मदा के प्रोजेक्ट मैनेजर पर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में नर्मदा जल प्रदाय योजना की अव्यवस्थित जल आपूर्ति से वार्डवासी लगातार परेशान हैं। लोगों का कहना है कि न तो पानी आने का कोई निश्चित समय है और न ही पूरे नगर में व्यवस्थित ढंग से जल सप्लाई की जा रही है। इससे आम नागरिकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

एक दिन पहले वार्ड क्रमांक-1 में जल सप्लाई के दौरान उपभोक्ताओं के घरों तक अत्यंत गंदा एवं मटमैला पानी पहुंचा। पानी में गंदगी और कचरा होने के कारण लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। वार्डवासियों का कहना है कि यदि इस प्रकार का दूषित पानी लोगों को पीना पड़ेगा तो जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाएगा। नागरिकों ने जल प्रदाय व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है। इस गंभीर समस्या को लेकर सोमवार को प्रमुखता के साथ समाचार प्रकाशित किया गया। इसके बाद सोमवार को नर्मदा जल योजना, जबलपुर के प्रोजेक्ट मैनेजर तुषार ठाकरे से इस संबंध में चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि नगर परिषद द्वारा जल लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिए जाने के कारण वार्ड क्रमांक-1 में गंदा पानी पहुंचा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह तकनीकी समस्या नगर परिषद की ओर से लाइन टूटने के कारण उत्पन्न हुई थी। तुषार ठाकरे ने आश्वस्त करते हुए कहा कि संबंधित खराबी का सुधार कर लिया गया है और मंगलवार से वार्डवासियों को स्वच्छ एवं साफ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो तथा नगर में नियमित समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का सामना न करना पड़े। भूपेंद्र सिंह उपयंत्री नगर परिषद का कहना है कि वार्ड 01 में फ्लशिंग कार्य नर्मदा लाइन के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। कल से साफ पानी वहां भी पहुंचेगा।

महाराष्ट्र की पत्थर फैक्ट्री में मजदूर की हुई मौत कंपनी मालिक ने बिना पीएम कराएं भेजा शव

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

महाराष्ट्र के जिला सिंधुदुर्ग के देवगढ़ थाना में पत्थर की फैक्ट्री में काम करने वाले तेंदूखेड़ा थानाअंतर्गत ग्राम कोड़ल के सुखदेव पिता बड्डा तेकाम 35 की कार्य के दौरान शनिवार को मौत हो गई। कंपनी के मालिक ने बिना पोस्टमार्टम कराएं किराए की एंबुलेस करके शव को ग्राम कोडल के लिए भेज दिया।

सुखदेव के साथ ग्राम के और लोग भी पत्थर की फैक्ट्री में काम करते हैं। राकेश गौड़, देवेंद्र गौड़, कमलकिशोर गौड़ ने बताया कि सुखदेव मशीन से पत्थर को काट रहा था उसी दौरान मशीन के उपर जा गिरा जिससे उसके गले में चोट लग गई खून बहने लगा हम लोगों ने कंपनी के मालिक को फोन करके बताया, लेकिन तब तक सुखदेव की मौत हो चुकी थी। कंपनी मालिक ने एंबुलेंस करवा दी साथ ही देवगढ़ थाना प्रभारी से एक पत्र लिखवा दिया जिससे

शव को ले जाने में कोई परेशानी न हो। शनिवार रात्रि 9 बजे हम लोग देवगढ़ से निकले 24 घंटे बाद रात्रि 9 बजे तेंदूखेड़ा पहुंचे रात्रि अधिक हो जाने के कारण परिजनों ने शव को तेंदूखेड़ा अस्पताल के फ्रीजर में रखने की सलाह दी। अस्पताल से पुलिस थाना सूचना भेजी गई। साथ ही परिजन भी अस्पताल आ गए। शव के साथ में आए ग्राम के तीन लडको ने बताया कि कंपंनी मालिक ने किसी भी प्रकार की कोई सहायता राशि हम लोगों को नहीं दी न ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सोमवार को पुलिस ने जीरो पर मर्ग कायम कर पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम कराया दोपहर 4 बजे शव परिजनों को सौंपा गया। जहां ग्राम कोड़ल में अंतिम संस्कार किया गया। नगर निरीक्षक रावेंद्र बागरी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया हैं साथ ही महाराष्ट्र पुलिस से बात की हैं संपूर्ण मामला बताया हैं जीरो पर मर्ग कायम कर जांच के लिए महाराष्ट्र भेजा जा रहा हैं। आगे की कार्यवाही वहीं से होगी।

मेट्रो एंकर — सीएम के समय पालन निर्देश बेअसर: नोटिस के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था

आदेशों को ठेंगा... 10 बजे खुलना था दफ्तर, 11:15 बजे तक पहुंचते रहे कर्मी

धार। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री के समयपालन संबंधी सख्त निर्देशों के बावजूद धार जिले के वन विभाग कार्यालय में कर्मचारियों की लेटलतीफी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते दिन सुबह 10 बजे कार्यालय का पहुंचे मिडियाकर्मी ने देखा तो स्थिति चौंकाने वाली रही। निर्धारित समय पर कार्यालय में केवल चपरासी मौजूद मिला, जबकि अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी 10:15 बजे से लेकर 11:15 बजे तक पहुंचते रहे। वहीं मीडिया के पहुंचने की सूचना के बाद ताबड़तोड़ पहुंचे कर्मचारी।

निरीक्षण के दौरान सबसे पहले बाबू मांगीलाल वसुनिया 10:15 बजे पहुंचे। इसके बाद उर्मिला वसुनिया 10:20 बजे, नितिन पंवार 10:25 बजे, सुधीर शर्मा, चित्रलेखा चौहान, विनोद राठौर और अशोक मेहता 10:30 बजे, शालू ठाकुर 10:31 बजे, चेतना कुशवाह 10:45 बजे, आशा आर्य 11 बजे तथा मोहन सिसौदिया 11:15 बजे कार्यालय

पहुंचे। सवाल यह है कि समयपालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी किसकी है और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। कर्मचारी जिम्मेदार अधिकारी को कुछ नहीं समझ रहे।

मनमानी करते ऑपरेटर

कार्यालय में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों पर भी समयपालन को लेकर कोई प्रभावी निगरानी दिखाई नहीं दी।दबी जुबान में कर्मचारियों का कहना है कि जब वरिष्ठ अधिकारी ही समय पर मौजूद नहीं रहते तो अधीनस्थ कर्मचारियों में भी अनुशासन कमजोर पड़ जाता है। वहीं कम्प्यूटर कर्मचारी भी रोज की तरह आज भी लेट आए। वहीं टीम तीन दिन दिनों से लगातार निगरानी कर रही थी कौन कर्मचारी कितनी बजे कार्यालय आ रहे हैं वहीं दूसरी ओर जिला कलेक्टर राजीव रंजन मीना नियमित रूप से समय पर कार्यालय पहुंचकर कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब शीर्ष स्तर पर समयपालन हो रहा है,तो अन्य विभागों में सरकारी नियमों का पालन आखिर क्यों नहीं कराया जा रहा। धार जिले में वन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री द्वारा जनहित से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं, लेकिन धरातल पर इनका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा। शिकायतों के निराकरण में देरी, कार्यालयों के चक्कर और समय पर कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। एसडीओ सुनील सुलिया ने बताया कि यदि ऐसी जानकारी सामने आई है तो मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फीफा विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर!

पराग्वे ने 4 बार की चैंपियन जर्मनी को हराकर टूर्नामेंट से किया बाहर

बोस्टन, एजेंसी

चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी का फीफा विश्व कप 2026 अभियान राउंड ऑफ 32 में समाप्त हो गया। 120 मिनट तक 1-1 की बराबरी के बाद पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज कर प्री क्वार्टर फाइनल यानी अंतिम-16 में जगह बना ली। जर्मनी की टीम चार बार की चैंपियन रह चुकी है। उसने 1954, 1974, 1990 और 2014 में खिताब जीता था।

गुस्तावो अल्फारो की टीम ने पूरे मैच में शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन किया और जर्मनी के आक्रामक खिलाड़ियों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। गेंद पर अधिकांश समय जर्मनी का कब्जा रहा, लेकिन लेरॉय साने, फ्लोरियन विर्ट्ज और काई हैवर्ट्ज लगातार पराग्वे की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के सामने बेअसर रहे।

पहले हाफ में एनसिसो ने दिलाई बढ़त

पहले हाफ के अंतिम मिनटों में पराग्वे ने अपने गिने-चुने कॉर्नर में से एक का बेहतरीन फायदा उठाया। कॉर्नर पर मैनुअल नोयर ने गेंद को मुक्का मारकर दूर किया, लेकिन पराग्वे ने दोबारा गेंद पर कब्जा जमा लिया। इसके बाद मटियास गलार्सा ने शानदार क्रॉस दिया, जिस पर बिना किसी दबाव के मौजूद जूलियो एनसिसो ने शानदार हेडर लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

हैवर्ट्ज ने कराई वापसी

दूसरे हाफ में जर्मनी कहीं अधिक आक्रामक अंदाज में उतरा और 54वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली। फ्लोरियन विर्ट्ज के बाएं फ्लैंक से आए सटीक क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जर्मनी लगातार विजयी गोल की तलाश में हमले करता रहा, जबकि पराग्वे धीरे-धीरे अपनी पूरी टीम को रक्षात्मक मोर्चे पर ले आया और जवाबी हमले के मौके का इंतजार करता रहा।

रद्द हुआ जर्मनी का विजयी गोल

जर्मनी के कोच जूलियन नागेल्समान ने पेनल्टी से बचने के लिए अपने सभी आक्रामक खिलाड़ियों को मैदान पर उतार दिया। अतिरिक्त समय में जोनाथन ताह ने गोल भी कर दिया था, लेकिन वॉल्डेमार एंटोन द्वारा ऑरलैंडो गिल पर फाउल किए जाने के कारण रेफरी ने गोल रद्द कर दिया। 120 मिनट के बाद भी स्कोर 1-1 रहा और मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

पेनल्टी शूटआउट में पराग्वे ने दिखाई मजबूती

जर्मनी ने अपने घरेलू समर्थकों के सामने पहले पेनल्टी लेने का फैसला किया, लेकिन शुरुआत ही खराब रही। पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने काई हैवर्ट्ज की पहली पेनल्टी बचा ली। इसके बाद दोनों टीमों के बीच गोल और चूक का सिलसिला चलता रहा। आखिर में जोसे कनाले ने बेहद शांत अंदाज में निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर पराग्वे को 4-3 से ऐतिहासिक जीत दिला दी। अब दक्षिण अमेरिकी टीम चार जुलाई को राउंड ऑफ-16 में फिलाडेल्फिया में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी।

इंजरी टाइम में मार्टिनेली बने ब्राजील के हीरो, जापान को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में पहुंची

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 में ब्राजील ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए जापान को 2-1 से हराकर अंतिम-16 में अपनी जगह पक्की कर ली। ह्यूस्टन स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में गेब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में विजयी गोल दागकर ब्राजील को नाटकीय जीत दिलाई। अब कार्लो एंचेलोटी की टीम राउंड-ऑफ-16 में कोट डी आइवर और नॉर्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। मैच की शुरुआत से ही जापान ने बेखौफ अंदाज में खेल दिखाया। 29वें मिनट में ब्राजील की रक्षापंक्ति की एक गलती का पूरा फायदा उठाते हुए काइशु सानो ने गेंद पर कब्जा जमाया, तेजी से आगे बढ़े और शानदार राइट फुट शॉट के जरिए गोल दागकर जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह सानो का जापान के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी रहा। पहले हाफ में ब्राजील के स्टार खिलाड़ी जापानी डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे और हाफ टाइम तक जापान बढ़त बनाए रखने में सफल रहा।

दूसरे हाफ में ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने रणनीति बदली और युवा स्ट्राइकर एंड्रिक को मैदान पर उतारा। इस बदलाव के बाद ब्राजील का आक्रमण और अधिक धारदार हो गया। लगातार हमलों का दबाव आखिरकार 56वें मिनट में रंग लाया, जब गेब्रियल मागालहाइस के सटीक क्रॉस पर कासेमिरो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद ब्राजील लगातार आक्रामक फुटबॉल खेलता रहा। विनीसियस जूनियर भी टीम को बढ़त दिलाने के बेहद करीब पहुंचे, लेकिन जापान के गोलकीपर जायोन सुजुकी ने शानदार बचाव करते हुए उनकी कोशिश नाकाम कर दी। एक अन्य मौके पर विनीसियस का शॉट पोस्ट से टकरा गया।

भारतीय बैडमिंटन स्टार का फिर टूटा खिताबी सपना

यूएस ओपन फाइनल में सु ली-यांग के सामने नहीं टिके श्रीकांत, सात साल का इंतजार बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

फुलर्टन। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने का लंबा इंतजार एक बार फिर अधूरा रह गया। यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में श्रीकांत ने चीनी ताइपे के सु ली-यांग के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह अपनी लय कायम नहीं रख सके। एक घंटे नौ मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में उन्हें 15-21, 21-16 और 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ 2017 के फ्रेंच ओपन के बाद पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की उनकी उम्मीद फिर टूट गई। 33 वर्षीय श्रीकांत ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। पहले गेम में सु ली-यांग ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। हालांकि श्रीकांत ने 10-10 तक स्कोर बराबर कर मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन इसके बाद लगातार अंक गंवाने से पहला गेम 15-21 से हार गए।

दूसरे गेम में दिखाई पुरानी आक्रामकता

दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने शानदार वापसी की। शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर रही, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने लगातार अंक जुटाकर बढ़त बना ली। उन्होंने 21-16 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया और खिताब की उम्मीदें फिर जगा दीं। तीसरे और निर्णायक गेम में दूसरे गेम की मेहनत का असर साफ दिखाई दिया। श्रीकांत की गति धीमी पड़ गई और सु ली-यांग ने इसका पूरा फायदा उठाया। चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार अंक बटोरते हुए मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और 21-9 से गेम जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर लिया।

इंग्लैंड सीरीज से पहले सुनील गावस्कर की दो टूक

वैभव सूर्यवंशी को पहले मैच में खिलाना ही पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को 0-2 से हार झेलनी पड़ी। आयरलैंड के खिलाफ दोनों ही मुकाबलों में टीम इंडिया का टॉप आर्डर ध्वस्त हो गया, जो हार की सबसे बड़ी वजह रही। भारत की करारी हार के बीच टीम सेलेक्शन पर भी सवाल उठ रहे हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इन दोनों मैचों में ही बेंच पर बैठना पड़ा, जिसके चलते उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार बढ़ गया है। अब भारत के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। आयरलैंड के खिलाफ दोनों टी20 मैचों में वैभव को मौका नहीं मिलने के बाद गावस्कर ने कहा कि अब इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि वह

पिछले एक महीने से लगातार यह बात कह रहे थे कि आयरलैंड जैसी सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलना चाहिए था।

सुनील गावस्कर ने से कहा, आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में दो नए खिलाड़ी सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव थे। प्रिंस ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और तीन विकेट झटक लिए। प्रिंस को एक ही गेंद खेलने का मौका मिला और उन्होंने छक्का भी मार दिया। एक महीने पहले से ही मैं कह रहा था कि आयरलैंड के खिलाफ जो दो मुकाबले होने हैं, उन दोनों में वैभव सूर्यवंशी को खिलाया जाए क्योंकि वो शानदार फॉर्म में है। एक मैच में आप अभिषेक शर्मा को लेते और दूसरे मैच में अभिषेक को ड्रॉप कर संजू सैमसन को खिलाते। हम ऐसा कर सकते थे, लेकिन ये नहीं हुआ। ये जरूरी नहीं कि वैभव होते, तो मैच जिता देते। हो सकता है कि वो 10-15 रन बनाकर आउट हो जाते। यदि युवा खिलाड़ियों को ट्राई करना था, तो इन दोनों मैचों में कर सकते थे।

क्या वैभव सूर्यवंशी नंबर-3 पर उतरेंगे?

सुनील गावस्कर का मानना है कि अब टीम मैनेजमेंट के पास वैभव को मौका देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। गावस्कर कहते हैं, अब इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही मैच में खिलाना होगा। बात सीधी सी है, जो आपके आउट ऑफ फॉर्म बल्लेबाज हैं, उनको बाहर रखिए और वैभव सूर्यवंशी को मौका दीजिए। जो आपके ओपनर्स हैं, उनके 1-2 पर खिलाएं, लेकिन वैभव को नंबर तीन पर भी उतार सकते हैं। आपको वैभव को पहले ही मैच में मौका देना ही होगा, जो इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई को होना है। देखिए आपकी जो ओपनिंग पार्टनरशिप बनी है, उन्होंने पिछले एक-डेढ़ सालों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

उर्मिला मातोंडकर ने खोला दिलचस्प राज

डांस से भागते थे संजू, लेकिन कैमरा ऑन होते ही मचा देते थे धमाल

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में अभिनेता संजय दत्त से जुड़ा एक ऐसा दिलचस्प किस्सा साझा किया, जिसने दर्शकों को मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। शो में स्पेशल गेस्ट के रूप में पहुंचीं उर्मिला ने बताया कि संजय दत्त डांस शूट से पहले अक्सर नाराज और परेशान नजर आते थे, लेकिन जब कैमरा रोल होता था तो अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को हैरान कर देते थे।

शो के होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने जब उर्मिला से संजय दत्त के साथ काम करने का अनुभव पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्होंने संजय के साथ कई फिल्मों में काम किया है और उनकी एक आदत हमेशा याद रहती है। उर्मिला ने हंसते हुए बताया कि जैसे ही किसी फिल्म में डांस नंबर की बात होती, संजय दत्त का मूड खराब हो जाता था। वह अक्सर कहते थे, यार, मुझे यह नहीं करना है, मुझसे डांस नहीं होगा। हालांकि, यही संजय दत्त बाद में बिना किसी शोर-शराबे के चुपचाप रिहर्सल करते थे और जब फाइनल टेक का समय आता, तो उनके डांस और स्क्रीन प्रेजेंस को देखकर कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता था कि कुछ समय पहले वही व्यक्ति डांस करने से बचने की कोशिश कर रहा था।

उर्मिला ने बताया कि संजय दत्त का यह अंदाज बेहद खास था। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े जरूर हो जाते थे, लेकिन अपने काम को लेकर पूरी तरह समर्पित रहते थे। रिहर्सल के दौरान वह खूब मेहनत करते और शूटिंग के समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देते थे।

सुपरहिट रही उर्मिला-संजय की जोड़ी

उर्मिला मातोंडकर और संजय दत्त ने दौड़, जंग और खूबसूरत जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया। बड़े पर्दे पर दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इन फिल्मों के कई गाने आज भी लोगों की पसंदीदा प्लेलिस्ट का हिस्सा हैं। ओ भंवरे, आना जरा पास तो आ और आईला रे जैसे गीत आज भी 90 के दशक की सुनहरी यादों को ताजा कर देते हैं। उर्मिला की इस दिलचस्प याद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि पर्दे के पीछे संजय दत्त भले ही डांस को लेकर हिचकिचाते रहे हों, लेकिन कैमरे के सामने आते ही वह अपने दमदार अंदाज और शानदार प्रस्तुति से हर बार दर्शकों का दिल जीत लेते थे।

मैं झूठ नहीं बोल सकता..., रियलिटी शो अलायंस से पहले सोहेल का खुलासा

अभिनेता और फिल्म निर्माता सोहेल खान जल्द ही रियलिटी शो अलायंस में एक नए अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। शो शुरू होने से पहले उन्होंने अपनी सबसे बड़ी कमजोरी का खुलकर जिक्र किया है। सोहेल का कहना है कि उन्हें झूठ बोलना, लोगों के साथ रणनीतिक खेल खेलना या किसी को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना नहीं आता। यही वजह है कि उन्हें लगता है कि वह इस तरह के प्रतियोगी शो में ज्यादा समय तक टिक नहीं पाएंगे और पहले ही सप्ताह बाहर होने की नौबत आ सकती है।

अपने नए सफर को लेकर सोहेल खान ने कहा कि वह जिंदगी में हमेशा दिल की सुनते हैं और ज्यादा गणित नहीं लगाते। उनके मुताबिक, उन्हें झूठ बोलकर या चालाकी से किसी को मात देना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा, ÷मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा। मुझे झूठ बोलना, गेम खेलना या लोगों को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना नहीं आता। मैं ईमानदारी से खेलूंगा और यही कारण है कि मुझे लगता है कोई भी मुझे आसानी से हरा सकता है। सोहेल ने बताया कि अलायंस का कॉन्सेप्ट उन्हें इसलिए पसंद आया क्योंकि यह सिर्फ टास्क जीतने का शो नहीं है। इसमें रिश्ते बनाना, भरोसा कायम रखना और बदलते हालात के मुताबिक खुद को ढालना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उन्हें चुनौतियां पसंद हैं और इसी वजह से उन्होंने इस शो का हिस्सा बनने का फैसला किया। सोहेल खान ने कहा कि वह ऐसे परिवार से आते हैं, जहां वफादारी केवल एक शब्द नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि अलायंस जैसे रियलिटी शो में परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं।

मेट्रो बाजार

डिजीहाट ने ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर सहकार से समृद्धि स्टोर किया लॉन्च

नई दिल्ली। नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर मौजूद सरकारी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस डिजीहाट ने देश भर में सहकार से समृद्धि अभियान शुरू किया। इसका मकसद डिजिटल कॉमर्स के जरिए सहकारी उत्पादों को बढ़ावा देना और ग्राहकों तक उनकी पहुंच बढ़ाना है। 29 जून से 6 जुलाई तक चलने वाला यह हफ्ते भर लंबा अभियान सहकारिता मंत्रालय के पांच साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद देश भर की सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं-सहायता समूहों (एसएचजी), कारीगर समूहों और उत्पादकों के नेतृत्व वाले उद्यमों के उत्पादों को प्रदर्शित करना है। इस पहल के तहत, डिजीहाट ने एक खास %सहकार से समृद्धि स्टोर% शुरू किया है। यह स्टोर सहकारी समितियों, किसान समूहों और सामुदायिक उद्यमों के उत्पादों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाता है, जहां से देश भर के ग्राहक इन्हें खरीद सकते हैं। इस अभियान का मकसद भारत के कोऑपरेटिव इकोसिस्टम के लिए डिजिटल मार्केट तक पहुंच को बेहतर बनाना है। इस इकोसिस्टम में 8.5 लाख से अधिक रजिस्टर्ड कोऑपरेटिव सोसायटियां शामिल हैं, जिनके लगभग 29 करोड़ सदस्य खेती, डेयरी, मछली पालन, हथकरघा, ग्रामीण उद्योगों और फाइनेंशियल सर्विस जैसे सेक्टर में काम करते हैं। डिजीहाट के अनुसार, हालांकि हाल के सालों में कोऑपरेटिव मूवमेंट काफी बढ़ा है, फिर भी कई प्रोड्यूसर्स को मुख्यधारा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और देश भर के बाजारों तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

किसान सारथी प्लेटफॉर्म से जुड़े 3 करोड़ किसान डिजिटल कृषि परामर्श सेवाओं का उठा रहे लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को बताया कि किसान सारथी प्लेटफॉर्म के साथ 4,767 आईसीएआर वैज्ञानिक और 113 आईसीएआर संस्थान जुड़े हुए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर अब तक 2.95 करोड़ किसान पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें 56.16 लाख महिला लाभार्थी भी शामिल हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जुलाई 2021 में शुरू किए गए इस एकीकृत डिजिटल कृषि-सलाहकार मंच पर अब तक 19.21 लाख प्रश्नों का समाधान किया जा चुका है। इसके अलावा, किसानों के लिए 351 कृषि उत्पादों से संबंधित 21,900 कृषि सलाह भी जारी की गई हैं।

करीब 2.89 करोड़ किसानों ने अपने नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) जाकर इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराया। इनमें से 5.35 लाख किसान कॉल सेंटर के माध्यम से, 21,517 मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए, 2,416 वेब पोर्टल के माध्यम से और 39,193 कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए पंजीकरण हुए। सरकार ने बताया कि किसान सारथी की सेवाएं देश के 37 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 768 जिलों और 6.63 लाख गांवों तक पहुंच चुकी हैं। यह प्लेटफॉर्म इंटरैक्टिव इन्फॉर्मेशन डिसेमिनेशन सिस्टम (आईआईडीएस) का उपयोग करता है, जिससे किसानों और कृषि विशेषज्ञों के बीच दो-तरफा संवाद संभव हो पाता है। साथ ही, कृषि अनुसंधान से जुड़ी जानकारी सीधे खेतों तक पहुंचाने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को समय पर, विश्वसनीय और कई भाषाओं में कृषि संबंधी सलाह उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा, किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी, मौसम से जुड़े अपडेट और विशेषज्ञों से सीधे परामर्श की सुविधा भी मिलती है। यह प्लेटफॉर्म इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की संयुक्त पहल है, जिसे भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान और डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन ने विकसित और लागू किया है।

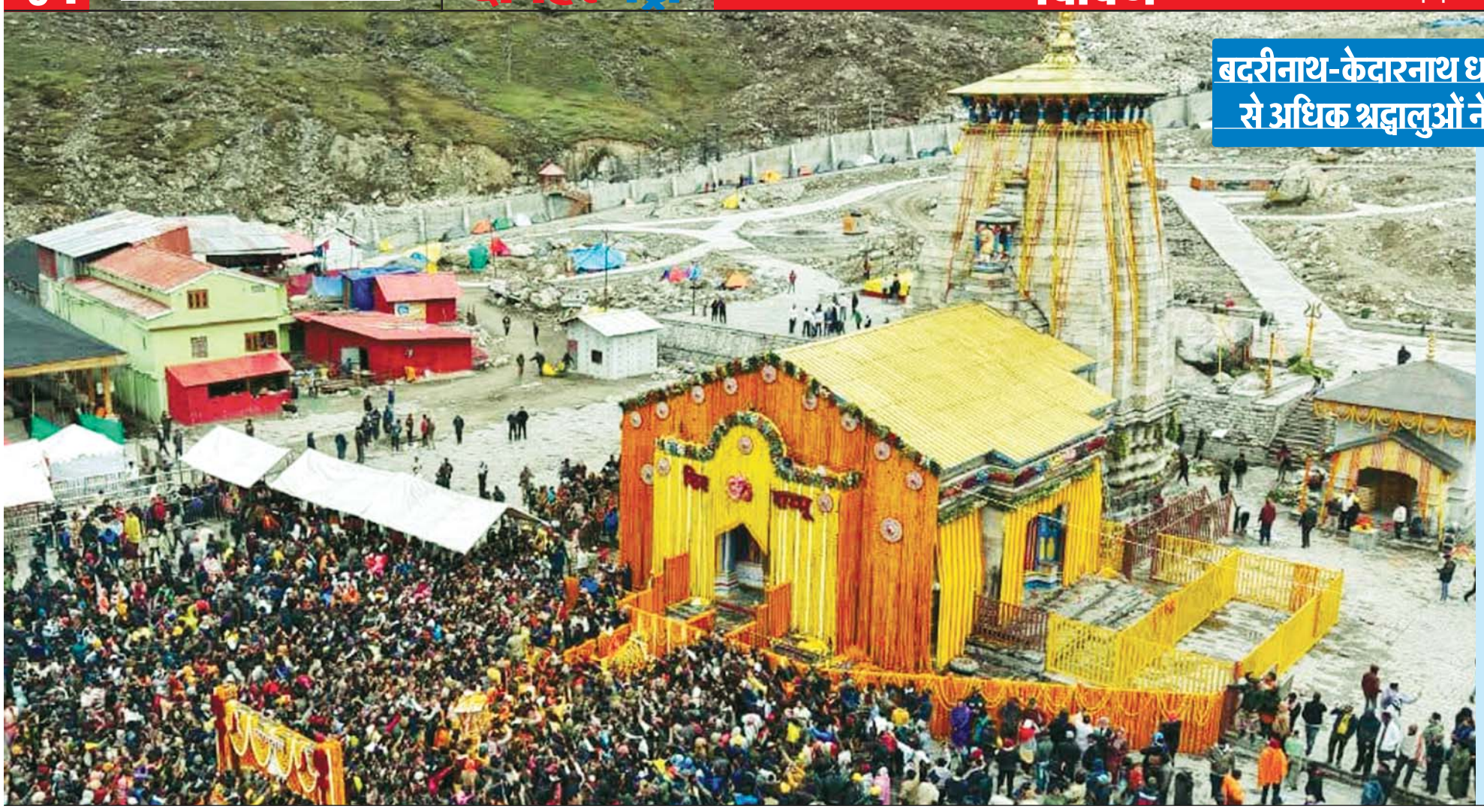

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम: 27 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून। मानसून की शुरुआत के बावजूद चारधाम यात्रा के अंतर्गत बदरीनाथ एवं केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम जारी है। मौसम को देखते हुए यात्रा में आंशिक कमी दर्ज की गई है, लेकिन दर्शन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जा रही है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि 28 जून, 2026 तक श्री बदरीनाथ धाम में 13,62,601 तथा केदारनाथ धाम में 13,52,905 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इस प्रकार दोनों धामों में अब तक कुल 27,15,703 श्रद्धालु दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

इस महीने भारत का रूसी तेल आयात नई ऊंचाइयों पर

बंदरगाहों पर दिखी टैंकरों की लंबी कतार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है आयात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात जून महीने में नया रिकॉर्ड बना सकता है। यह दावा एनजीपी एनर्जी कैपिटल मैनेजमेंट के मुख्य अर्थशास्त्री अनस अलहाजी ने किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय बंदरगाहों पर रूसी कच्चे तेल से लदे टैंकरों की संख्या असाधारण रूप से बढ़ गई है। उनके अनुसार, उन्होंने पहले कभी भारतीय बंदरगाहों पर इतनी बड़ी संख्या में रूसी तेल लेकर पहुंचे जहाज नहीं देखे। अलहाजी ने सोशल मीडिया पर केप्लर का एक नक्शा भी साझा किया, जिसमें रूस से भारत की ओर बढ़ते कई तेल टैंकर दिखाई दिए।

सीआरईए की रिपोर्ट ने भी बढ़ाई दावे की पुष्टि- अलहाजी का यह बयान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की हालिया रिपोर्ट के बाद आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2025 में भारत रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश रहा। इस दौरान भारत ने करीब 6.7 अरब डॉलर मूल्य के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया। रिपोर्ट के अनुसार, इस आयात में सबसे बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का रहा, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 83 प्रतिशत थी। इसके अलावा तेल उत्पादों और कोयले का भी बड़ी मात्रा में आयात किया गया।

कच्चे तेल की खरीद में 21 फीसदी की बढ़ोतरी- सीआरईए के आंकड़ों के अनुसार, मई महीने में रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका असर देश के कुल कच्चे तेल आयात पर भी पड़ा, जो महीने-दर-महीने 8 प्रतिशत बढ़ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जून में भी यही रुझान जारी रहा तो रूस से होने वाला आयात अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच सकता है।

देश की बड़ी रिफाइनरियों में बढ़ी रूसी तेल की सप्लाई

भारत की प्रमुख रिफाइनरियों ने भी रूसी कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। गुजरात की वडीनार रिफाइनरी में अप्रैल की तुलना में मई में रूसी तेल की आपूर्ति 36 प्रतिशत बढ़ी, जबकि जामनगर रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स में इसमें 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं, न्यू मैंगलोर रिफाइनरी में रूसी तेल की आपूर्ति 13 प्रतिशत और विशाखापत्तनम रिफाइनरी में 42 प्रतिशत तक बढ़ गई। ओडिशा की पारादीप रिफाइनरी ने भी पिछले दो वर्षों में रूसी तेल के उपयोग को लगभग दोगुना कर लिया है।

सस्ती खरीद से भारत को मिला बड़ा आर्थिक फायदा

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रूस ने एशियाई देशों को रियायती दरों पर कच्चा तेल बेचना शुरू किया। भारत ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीद बढ़ाई। इससे घरेलू रिफाइनिंग कंपनियों की लागत कम हुई, रिफाइनिंग मार्जिन बेहतर हुआ और देश के ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित रखने में भी मदद मिली। यही वजह है कि रूस लगातार भारत के सबसे बड़े कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल बना हुआ है।

रूस के तेल निर्यात में भारत की मजबूत हिस्सेदारी

रिपोर्ट के मुताबिक, मई महीने में रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात में चीन की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत रही, जबकि भारत 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद तुर्की की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत और यूरोपीय संघ की 5 प्रतिशत रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जून के आंकड़े भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ते हैं तो भारत का रूसी तेल आयात एक नया रिकॉर्ड कायम कर सकता है।

रामलला के चढ़ावे पर डाका, यह सिर्फ चोरी नहीं महापाप है

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सीबीआई जांच और धर्म संसद की मांग उठाई

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीराम मंदिर में चढ़ावे और दान में कथित गड़बड़ी के मामले ने अब नया राजनीतिक और धार्मिक मोड़ ले लिया है। कांग्रेस छोड़ चुके कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस मामले को सनातन धर्म की आस्था पर हमला बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चोरी का मामला नहीं, बल्कि महापाप है और इसकी तह तक पहुंचने के लिए राज्य सरकार की तीन अधिकारियों वाली एसआईटी पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह मामला केवल अयोध्या या उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के करोड़ों रामभक्तों की आस्था से जुड़ा राष्ट्रीय महत्व का विषय है। ऐसे में दोषियों को बेनकाब करना और उन्हें कड़ी सजा दिलाना बेहद जरूरी है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने लोगों का भरोसा खो दिया- बातचीत के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि श्रीराम मंदिर ट्रस्ट लोगों का विश्वास खो चुका है। उन्होंने ट्रस्ट के सभी सदस्यों से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। उनका कहना था कि करोड़ों रुपए के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी लंबे समय तक होती रही, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। इससे साफ है कि इसके पीछे प्रभावशाली लोगों का हाथ हो सकता है, जिसकी निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

100 करोड़ हिंदुओं की आस्था को पहुंची ठेस

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि श्रीराम मंदिर देश-दुनिया के सौ करोड़ से अधिक हिंदुओं की श्रद्धा का सबसे बड़ा केंद्र है। ऐसे पवित्र स्थान पर चढ़ावे में कथित चोरी की खबर ने हर श्रद्धालु के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। उन्होंने दावा किया कि इस घटना के बाद कई तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं का विश्वास प्रभावित हुआ है और चढ़ावे में भी कमी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए।

चोरी हुई है तो बोलने का हक सबको है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों पर उठे विवाद को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्पष्ट कहा कि यदि कहीं चोरी या गड़बड़ी हुई है तो उस पर बोलने का अधिकार हर व्यक्ति को है, चाहे उसने राम मंदिर आंदोलन में भाग लिया हो या नहीं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले को गंभीरता से देख रहे हैं और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही उन्होंने जल्द ही इस मुद्दे पर धर्म संसद बुलाने की घोषणा भी की।

आंधी का तांडव: फिरोजाबाद में ई-रिक्शा पर काल बनकर गिरा नीम का पेड़, पांच की मौत

फिरोजाबाद, एजेंसी

यूपी के फिरोजाबाद में मौसम का कहर देखने को मिला। यहां तेज आंधी के बीच एक ई-रिक्शा पर नीम का पेड़ गिर गया। इस हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही 3 लोग घायल हो गए। परिजनों में मातम पसरा हुआ है। वहीं, प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को दैवीय आपदा राहत निधि से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

ये हादसा फरिहा थाना क्षेत्र के चिढ़रई गांव के पास हुआ है। आंधी-तूफान के चलते नीम का पेड़ जड़ समेत उखड़ा और ई-रिक्शा और बाइक के ऊपर जा गिरा। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। महिला और बच्चा समेत तीन लोग घायल हैं। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कटर से पेड़ काटकर राहत अभियान

चलाया। दरअसल, फरिहा थाना इलाके में सोमवार शाम आई तेज आंधी और बारिश के दौरान चिढ़रई गांव के पास बड़ा हादसा हो गया। जड़ समेत उखड़ा विशाल नीम का पेड़ सवारियों से भरे ई-रिक्शा पर गिर गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। पेड़ की चपेट में एक बाइक भी आ गई। हादसे के बाद मार्ग पर घंटों जाम लगा रहा।

सैन्य ट्रेनों के डिब्बे, भाड़ा कम करने की थी मांग

रेल मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय के अनुरोध को ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने रक्षा मंत्रालय के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है, जिसमें सैन्य विशेष ट्रेनों के न्यूनतम आकार को 30 डिब्बे से घटाकर 20 करने और उसी के अनुपात में माल भाड़े में छूट देने की मांग की गई थी। रेल मंत्रालय ने इस अनुरोध को परिचालन संबंधी बाधाओं का हवाला देते हुए खारिज किया। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान नीति के तहत रेलवे की मानक लागत निर्धारण प्रणाली न्यूनतम 30 डिब्बे की संरचना पर आधारित है। रेलवे बोर्ड ने रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी को भेजे पत्र में कहा कि इस मामले की रेलवे बोर्ड के यातायात परिवहन निदेशालय से परामर्श के बाद समीक्षा की गई।

भारत ने हमारे हक का पानी रोका तो हाथ काट देंगे: मुसादिक मालिक

इस्लामाबाद। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तान बीते एक साल से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहा है। कारण है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए 'सिंधु जल समझौता' स्थगित कर दिया है। भारत के इस कड़े कदम से पाकिस्तान पूरी तरह बौखला गया है और आय दिन नई-नई गीदड़भभकी भी दे रहा है।

इस मामले में अब पाकिस्तान की ओर से नई गीदड़भभकी पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन

मंत्री मुसादिक मलिक ने दिया है। मलिक ने कहा है कि यह पहले ही साफ किया जा चुका है कि जो भी हमारे पानी को छुएगा, उसके हाथ काट दिए जाएंगे। पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर दिए गए उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुसादिक मलिक के अलावा पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' के मुताबिक तरार ने कहा कि एक पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री के हाथ में पानी का नल है। वह कहते हैं कि वह पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं जाने देंगे।

मेट्रो एंकर भारत और अमेरिका डील अब आखिरी मोड़ पर

99% तैयार ट्रेड एग्रीमेंट, जल्द होगा ऐतिहासिक व्यापार समझौता

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दावा किया कि समझौते का 98 से 99 प्रतिशत कानूनी मसौदा तैयार हो चुका हैं और अब केवल 1 से 2 प्रतिशत मुद्दों पर बातचीत जारी है। उन्होंने यह जानकारी वॉशिंगटन में आयोजित यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के शिखर सम्मेलन में दी। गोर ने भरोसा जताया कि दोनों देशों के बीच यह ऐतिहासिक समझौता जल्द ही अंतिम रूप ले सकता है।

सर्जियो गोर ने बताया कि इस व्यापार समझौते पर पिछले लगभग 18 महीनों से लगातार काम चल रहा है। हालांकि बीच में सुप्रीम कोर्ट के एक हस्तक्षेप के कारण प्रक्रिया कुछ समय के लिए धीमी पड़ गई थी। हाल ही में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ली ग्रीर की नई दिल्ली यात्रा के बाद वार्ता ने फिर गति पकड़ ली है। गोर ने कहा कि जहां यूरोपीय देशों के साथ ऐसे समझौतों में कई बार 15 से 20 वर्ष लग जाते हैं, वहीं भारत के साथ रिकॉर्ड समय में इतनी बड़ी प्रगति दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का प्रमाण है।

भारत-अमेरिका रिश्तों पर अफवाह फैलाने वालों को जवाब

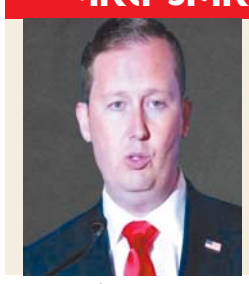

भारत-अमेरिका संबंधों में खटास की अटकलों को खारिज करते हुए सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका दुनिया के किसी भी अन्य साझेदार की तुलना में भारत के साथ सबसे अधिक संयुक्त सैन्य अभ्यास करता है। उन्होंने कहा कि व्यापार, रक्षा, तकनीक और लोगों के बीच मजबूत संपर्क दोनों देशों की साझेदारी की असली ताकत हैं। अब दोनों सरकारें बचे हुए कानूनी मुद्दों को जल्द सुलझाकर समझौते को लागू करने की दिशा में काम कर रही हैं। सर्जियो गोर ने क्वाड को लेकर भी बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि लगभग दो सप्ताह के भीतर फिलीपींस में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक होगी।

भारत बना अमेरिका का बड़ा निवेश और व्यापार साझेदार- राजदूत ने बताया कि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस वर्ष अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के नए निवेश को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा यूरोप के कई बड़े देशों से भी अधिक है। भारत अब अमेरिका को वस्तुओं और सेवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक साझेदार बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने मिलकर द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि ट्रंप भारत के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अपनी पिछली भारत यात्रा को आज भी याद करते हैं और भविष्य में दोबारा भारत आने के इच्छुक हैं।

रूस ने यूक्रेन के औद्योगिक शहरों को किया टारगेट, हमलों में 12 मरे

कीव, एजेंसी

रूस के यूक्रेन पर हुए हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। ये हमले तब हुए जब लोग घरों से बाहर खुले में मौजूद थे। इसलिए इन हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच यूक्रेन के हमलों की चपेट में रूस की कई रिफायनरियों, तेल-गैस गोदाम और तेल-गैस पाइपलाइनों के निशाने पर आने से मास्को सहित रूस के शहरों में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट पैदा हो गया और निर्यात बाधित हो गया है। रूस ने यूक्रेन के निप्रो शहर पर मिसाइल से हमला किया। हमले में छह लोग मारे गए और 29 घायल हुए हैं। हमले की

चपेट में मिनी बस के आने से इतने लोग मरे और घायल हुए हैं। जबकि यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया के हिस्से में रूसी हमलों में तीन लोग मारे गए और आठ घायल हुए हैं। खार्कीव में भी रूसी हमले में एक युवती की मौत हुई है और 10 लोग घायल हुए हैं। जिन शहरों पर हमले हुए हैं, तीनों ही यूक्रेन के प्रमुख औद्योगिक शहर हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564